01-31 August 2024

01-31 August 2024

Chhattisgarh Current Affairs Series
Monthly Revision

By Rakesh Sir

Que. हाल ही में छत्तीसगढ़ के किस जिले में 4000 साल पुराने गुफा की खोज गई है?

A. कोरबा

B. बस्तर

C. सरगुजा

D. कोरिया

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ के कोरबा, जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर ग्राम दुधीटांगर में 4000 साल पुराने एक गुफा की खोज गई है।
- इसमें 45 से अधिक शैलचित्र मौजूद है, जिन्हें पत्थरों पर उकेरा गया है।
- इन चित्रों में हिरण, सांभर, श्वान, बकरी, तेंदुआ, सियार के अलावा पदचिन्ह और मानवाकृति के अलावा ज्यामितीय चित्र शामिल है।
- इस गुफा की खोज जिला पुरातत्व संग्रहालय के मार्गदर्शक हरि सिंह क्षत्री ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से की है।

नई खोज: पुरातत्व संग्रहालय ने ग्रामीणों की मदद से खोजी एक और गुफा, ताम्रपाषाण युग के होने की संभावना

कोरबा के जंगल में मिले 4000 साल पुराने शैलचित्र

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

कोरबा. जिला मुख्यालय से लगभग 30 किलोमीटर दूर ग्राम दुधीटांगर में एक गुफा की खोज गई है। इसमें 45 से अधिक शैलचित्र मौजूद हैं, जिन्हें पत्थरों पर उकेरा गया है। इन चित्रों में हिरण, सांभर, श्वान, बकरी, तेंदुआ, सियार के अलावा पदचिन्ह और मानवाकृति के अलावा ज्यामितीय चित्र शामिल हैं।

गुफा की खोज कुछ दिन पहले जिला पुरातत्व संग्रहालय के मार्गदर्शक हरि सिंह क्षत्री ने स्थानीय ग्रामीणों की मदद से की है। क्षत्री का दावा है कि यह गुफा ताम्रपाषाण युग की है। उन्होंने बताया कि इसकी सूचना पुरातत्ववेत्ता पद्मश्री से सम्मानित के.के. मोहम्मद, कर्नाटक के पुरातत्वविद रवि कोरीसेट्टार, वाकणकर शोध संस्थान उज्जैन के पदाधिकारी व पुरातात्विक जानकार विनीता देशपांडे के अलावा स्थापत्य कला विशेषज्ञ इंद्रनील बंकापुरे कोल्हापुर को वीडियो कॉल के माध्यम से दी है। शैल चित्रों को देखकर के.के. मोहम्मद ने संभावना जताई है कि चित्र ताम्रपाषाण युग के हो सकते हैं। जिनका संबंध 4000 साल पुराना है।

डॉक्यूमेंटेशन की तैयारी

पुरातत्ववेत्ता के.के. मोहम्मद ने इन शैल चित्रों का डॉक्यूमेंटेशन करने के आवश्यक निर्देश दिए हैं। ताकि इन्हें विज्ञान की कसौटी पर परखा जा सके। साथ ही आसपास पाषाणकालीन लघु उपकरणों की खोजबीन करने के लिए कहा है। ताकि यहां की प्राचीन स्थिति और मानव सभ्यता के विकास में दुधीटांगर में मिले शैल चित्रों को देखकर कोई निष्कर्ष निकाला जा सके।

आदिमानव के निशान का दावा

कोरबा जिले में आदिमानवों के अनेक ठिकानों को खोजने का दावा पूर्व में हरि सिंह कर चुके हैं। इसमें 25 चित्रित शैलाश्रयों के अलावा अचित्रित शैलाश्रयों की खोज शामिल है। कोरबा में पाषाणकाल के उपकरण भी पूर्व में मिले हैं, जिन्हें जिला पुरातत्व संग्रहालय में रखा गया है।

कोरबा में यह तीसरी गुफा

शैल चित्रों का विकास मानव सभ्यता के इतिहास से जुड़ा है। पूर्व में मानव अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए शैल या चट्टानों पर चित्र उकेरता था। तब उसके पास लिखने के लिए कोई लिपि नहीं थी। कोरबा में खोज की गई यह तीसरी गुफा है। संभावना है कि इस गुफा में आदि मानव रहता था। इसके पहले इसी प्रकार की गुफा अरेतसा के जंगल में मिली थी।

- यह गुफा ताम्रपाषाण युग की है।
- इसमें 25 चित्रित शैलाश्रयों के अलावा अचित्रित शैलाश्रयों की खोज शामिल है।
- कोरबा में पाषाणकाल के उपकरण भी पूर्व में मिले हैं, जिन्हें जिला पुरातत्व संग्रहालय में रखा गया है।
- कोरबा जिले में खोज की गई यह तीसरी गुफा है।
- इसके पहले इसी प्रकार की गुफा अरेतला के जंगल में मिली थी।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और तमोर पिंगला अभयारण्य छत्तीसगढ़ के कौन से क्रम का टाइगर रिज़र्व बनेगा?

A. तीसरा

B. चौथा

C. पांचवा

D. छठवां

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान और तमोर पिंगला अभयारण्य को मिलाकर टाइगर रिजर्व बनाया जाएगा।
- 2829.387 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में यह छत्तीसगढ़ का चौथा टाइगर रिजर्व बनेगा।
- यह टाइगर रिजर्व क्षेत्रफल के लिहाज से देश का तीसरा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व होगा।
- इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में टाइगर रिजर्व की संख्या चार हो गई है।
- इस टाइगर रिजर्व के गठन से राज्य में ईको-पर्यटन का विकास होगा।

पिछली टाइगर गणना 2022 में छत्तीसगढ़ में केवल 17 बाघों की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी

गुरु घासीदास- तमोर पिंगला देश का तीसरा बड़ा टाइगर रिजर्व, असली चुनौती बाघों की संख्या

12 सालों से अटके प्रस्ताव को साय सरकार ने दी मंजूरी, छत्तीसगढ़ में अब कुल चार टाइगर रिजर्व

नवभारत ब्यूरो । रायपुर।

12-13 सालों के इंतजार के बाद आखिरकार छत्तीसगढ़ सरकार ने बुधवार को गुरुघासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व को मंजूरी दे दी। दावा किया जा रहा है कि 2829 वर्ग किमी में फैला यह टाइगर रिजर्व क्षेत्रफल के लिहाज से देश का तीसरा सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व होगा। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ में टाइगर रिजर्व की संख्या चार हो गई है। जंगल को बचाने और बाघों की संख्या बढ़ाने के लिए भाजपा सरकार का ये फैसला बड़ी उपलब्धि है, लेकिन वन विभाग के लिए चुनौती भी, जिसका बाघों की सुरक्षा के मामले में रिकॉर्ड बहुत अच्छा नहीं है। महाराष्ट्र और मध्यप्रदेश से जैसे पड़ोसी राज्यों में जहां बाघों की तेजी से बढ़ती आबादी को काबू करने की चिंता है, वहीं छत्तीसगढ़ में वन विभाग बाघों को शिकारियों से बचाने एवं उनकी संख्या बढ़ाने के लिये संघर्ष कर रहा है। चार सालों के अंदर बाघों की संख्या 34 से घटकर 17 रह गई है। उसमें भी आज कितने बचे हैं, इसका दावा करना मुश्किल है। उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में सरकारी गणना के हिसाब से दो बाघ थे जिनकी पोचिंग हो चुकी है और बाघ खत्म हो चुके हैं।

गुरुघासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व में इस वक्त तीन से चार बाघों को देखा गया है, जो मप्र के संजय गांधी टाइगर रिजर्व के बाघ बताए जा रहे हैं और आते-जाते रहते हैं जहां 30 से ज्यादा बाघ हैं। बाघ संरक्षण से जुड़े जानकारों का कहना है कि अगर इस नए टाइगर रिजर्व का प्रबंधन सही तरीके से किया गया, तो कई बाघ यहां के स्थायी निवासी बन सकते हैं। जानकारों का कहना है कि टाइगर रिजर्व का बेहतर प्रबंधन किस तरह से किया जा सकता है, अब इस बारे में गंभीरता से सोचने की जरूरत है। मप्र से लगा कबीरधाम जिले का भोरमदेव अभ्यारण्य भी बाघों के लिहाज से काफी अहम है। कान्हा टाइगर रिजर्व के बाघ अक्सर वहां पहुंच जाते हैं। इसे पुनः टाइगर रिजर्व बनाने का प्रयास करना चाहिए,

वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय प्रमुख डॉ राजेंद्र मिश्र ने बताया कि घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व के घने जंगल एवं कई तरह का रहवास उसे खास बनाते हैं। गुरु घासीदास रिजर्व में राज्य का ऐसा संरक्षित क्षेत्र है, जहां आज बड़ी संख्या में चिंकारा बचे हुए हैं। इसी तरह तमोर पिंगला में प्राकृतिक जलस्रोतों की कमी नहीं है। जंगल भी बहुत अच्छा है।

संजय गांधी और पलामू टाइगर रिजर्व जुड़ जाएंगे

नए टाइगर रिजर्व के साथ मप्र, झारखंड के टाइगर रिजर्व के बाघों को आने-जाने के लिए कई सौ किमी का लंबा और सुरक्षित रास्ता (गलियारा) मिल जाएगा। गुरु घासीदास - तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व की वजह से मप्र का संजय गांधी टाइगर रिजर्व और झारखंड का पलामू टाइगर रिजर्व आपस में जुड़ जाएंगे। बाघों को एक सुरक्षित लंबा कॉरीडोर मिलेगा। इस नए टाइगर रिजर्व की कनेक्टिविटी मप्र के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से भी है, जहां इस वक्त दो सौ से ज्यादा बाघ हैं। वहां के बाघ नए ठिकाने की तलाश में घूम रहे हैं। यहाँ तक कि 2 बाघ अचानकमार आ गये हैं

देश का तीसरा बड़ा टाइगर रिजर्व

गुरु घासीदास-तमोर पिंगला टाइगर रिजर्व 2829.387 वर्ग किमी क्षेत्रफल में फैला देश का तीसरा बड़ा टाइगर रिजर्व होगा। आंध्रप्रदेश का नागार्जुनसागर श्रीसैलम टाइगर रिजर्व 3296.31 वर्ग किमी के साथ देश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है। वहीं, असम का मानस टाइगर रिजर्व 2837.1 वर्ग किमी क्षेत्रफल के साथ देश दूसरा बड़ा टाइगर रिजर्व माना जाता है।

पिछली सरकार में अटक गया था प्रस्ताव

गुरु घासीदास नेशनल पार्क को साल 2021 में टाइगर रिजर्व बनाया गया था, लेकिन इसे विरोध के कारण अस्तित्व में नहीं लाया जा सका था। इस क्षेत्र में कई खदानें होने कारण नेशनल पार्क को टाइगर रिजर्व घोषित करने का नोटिफिकेशन कांग्रेस शासन काल में रुका हुआ था। इलाके के एक कांग्रेस विधायक ने भी टाइगर रिजर्व का विरोध कर दिया था। **2011 में ही मंजूर हो गया था टाइगर रिजर्व का प्रस्ताव-** वाइल्ड लाइफ बोर्ड में बतौर एक्सपर्ट शामिल रहे अमलेंदु मिश्रा ने 'नवभारत' को बताया कि छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती बीजेपी सरकार ने ही साल 2011-12 में गुरु घासीदास नेशनल पार्क और तमोर पिंगला सेंचुरी को मिलाकर टाइगर रिजर्व बनाने का ड्राफ्ट तैयार कर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) को भेजा था। इसके बाद एनटीसीए और केंद्र सरकार ने गुरु घासीदास नेशनल पार्क को टाइगर रिजर्व के रूप में मंजूरी दी।

साय कैबिनेट ने दी मंजूरी: गुरु घासीदास-तमोर पिंगला बनेगा छत्तीसगढ़ का चौथा टाइगर रिजर्व

भास्कर न्यूज | रायपुर

गुरु घासीदास-तमोर पिंगला छत्तीसगढ़ का चौथा टाइगर रिजर्व बनेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया। मंत्रिपरिषद ने राज्य वन्यजीव बोर्ड की अनुशंसा और केंद्रीय वन मंत्रालय के राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण की सहमति के बाद इसकी मंजूरी दी है। इसके मुताबिक मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, कोरिया, सूरजपुर एवं बलरामपुर जिले में स्थित इस अभ्यारण्य के क्षेत्रों को शामिल करते हुए 2829.387 वर्ग किमी क्षेत्रफल में टाइगर रिजर्व बनेगा।

कैबिनेट में चर्चा करते सीएम।

टाइगर रिजर्व पर फैसले का आखिरी मौका: कोर्ट

भास्कर एक्सक्लूसिव

20 जुलाई को प्रकाशित खबर।

भास्कर एक्सप्लेनर • 12 साल पहले भेजा था प्रस्ताव

इस टाइगर रिजर्व को बनाने की कवायद पिछले 12 साल से चल रही है। रमन सरकार ने 2012 में गुरु घासीदास नेशनल पार्क को टाइगर रिजर्व घोषित करने के सैद्धांतिक निर्णय लिया था। इसमें गुरु घासीदास नेशनल पार्क और तमोर पिंगला सेंचुरी को मिलाकर टाइगर रिजर्व बनाने का ड्राफ्ट था। अक्टूबर 2014 में नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी ने इसकी प्रारंभिक अनुमति दी थी। 2019 में जनहित याचिका दायर होने के बाद इसकी फाइल फिर खुली। 2022 में राज्य सरकार ने अंतिम स्वीकृति के लिए एनटीसीए को ड्राफ्ट भेजा, जिसे स्वीकार कर लिया।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- आंध्रप्रदेश का नागार्जुनसागर श्रीसैलम टाइगर रिजर्व 3296.31 वर्ग किमी के साथ देश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है।
- वहीं, असम का मानस टाइगर रिजर्व 2837.1 वर्ग किमी क्षेत्रफल के साथ देश दूसरा बड़ा टाइगर रिजर्व माना जाता है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. देश की पहली लीथियम खदान छत्तीसगढ़ के किस जिले में शुरू होगी?

A. बस्तर

B. कोरबा

C. कांकेर

D. सुकमा

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के कटघोरा में शीघ्र ही शुरू होने वाली लीथियम की खदान देश की पहली लीथियम खदान होगी।

- प्रारंभिक जिओलाजिकल सर्वे में 250 हेक्टेयर क्षेत्र में लीथियम के बड़ा भंडार होने की पुष्टि हुई है।

- छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर उनके प्रतिनिधि के रूप में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित नेशनल मिनिरल एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट की 6ठवीं गवर्निंग बॉडी मीटिंग में शामिल हुए।

- बैठक में छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित कटघोरा क्षेत्र की भी चर्चा हुई। जिओलाजिकल सर्वे आफ इंडिया में कटघोरा के लगभग 250 हेक्टेयर क्षेत्र में लीथियम के बड़ा भंडार होने की पुष्टि हुई है।

- छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में स्थित कटघोरा क्षेत्र में लिथियम एंड आरईई ब्लॉक भी शामिल है।

- गौरतलब है कि भारत सरकार के खान मंत्रालय द्वारा छत्तीसगढ़ सहित बिहार, गुजरात, झारखण्ड, ओडिशा, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, जम्मू और कश्मीर में स्थित 20 क्रिटिकल एंड स्ट्रेटेजिक मिनरल ब्लॉक्स का ई-नीलामी के माध्यम से आबंटन हेतु एमएसटीसी पोर्टल में एनआईटी जारी किया गया है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ के नवीन राज्यपाल श्री रमेन डेका को किसने शपथ दिलाई है?

A. श्री विष्णुदेव साय

B. श्री अरुण साय

C. श्री नरेंद्र मोदी

D. श्री रमेश सिन्हा

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- श्री रमेन डेका ने 31 जुलाई 2024 को छत्तीसगढ़ के 10 वें राज्यपाल के रूप में अपने पद की शपथ ली।
- छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधिपति न्यायमूर्ति श्री रमेश सिन्हा ने उन्हें शपथ दिलाई।

श्री रमेन डेका का जीवन परिचय :-

- छत्तीसगढ़ के 10 वें राज्यपाल श्री रमेन डेका का जन्म 1 मार्च 1954 को असम के सुआलकुची, कामरूप (असम) में हुआ।
- उनके पिता का नाम स्वर्गीय श्री सुरेंद्र नाथ डेका और माता का नाम स्वर्गीय श्रीमती चंपाबती डेका है।
- उनके परिवार में धर्म पत्नी श्रीमती रानी डेका काकोटी एवं दो बच्चे हैं।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- उन्होंने बीए की डिग्री दर्शनशास्त्र और अर्थशास्त्र विषय में प्राग्ज्योतिष कॉलेज, गुवाहाटी विश्वविद्यालय असम से प्राप्त की।
- श्री रमेन डेका एक वरिष्ठ राजनीतिज्ञ हैं। वे सन् 1977 से राजनीति में सक्रिय हैं।
- वे वर्ष 1980 में भारतीय जनता पार्टी के संस्थापक सदस्य थे।
- रमेन डेका वर्ष 2006 में असम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रहे हैं।
- श्री डेका 2021 अगस्त माह से असम राज्य के नवाचार एवं रूपान्तरण आयोग के (कैबिनेट मंत्री का दर्जा) के उपाध्यक्ष पद पर 29 जुलाई 2024 तक रहे है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- वे दो बार सांसद रहे।

- पहली बार वर्ष 2009 में 15 वी लोकसभा के लिए असम के मंगलदोई सीट से सांसद चुने गये थे। इस दौरान वे गृह मामलों की स्थायी समिति के सदस्य, लोक लेखा के सदस्य, भारत भूटान संसदीय मैत्री समूह सदस्य, अधीनस्थ विधान समिति सदस्य, सदन की बैठकों से सदस्यों की अनुपस्थिति पर समिति सदस्य रहे।

- उसके बाद वर्ष 2014 में वे 16 वीं लोकसभा के लिए दुबारा सांसद निर्वाचित हुए। दूसरे कार्यकाल में वे डेका लोकसभा में अध्यक्षों के पैनल के सदस्य भी रहे।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ में निम्न में से कहां नवनिर्मित अत्याधुनिक ऑडिटोरियम 'दण्डकारण्य' का शुभारंभ किया गया?

A. दुर्ग

B. रायपुर

C. बिलासपुर

D. धमतरी

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- हर वर्ष 12 अगस्त विश्व हाथी दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- इस उत्सव का उद्देश्य हाथियों के कल्याण के लिए विश्व को एक साथ लाना है, जो अपने पूरे क्षेत्र में लुप्तप्राय हैं। एक वैश्विक अग्रणी के रूप में भारत भी 'विश्व हाथी दिवस' मनाता है।
- केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने आज छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में विश्व हाथी दिवस पर आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का शुभारंभ किया।
- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय और केन्द्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव ने नवा रायपुर स्थित अरण्य भवन में छत्तीसगढ़ में इलेक्ट्रॉनिक ऑक्शन प्रणाली का, वन विभाग द्वारा दो करोड़ रूपए की लागत से निर्मित अत्याधुनिक ऑडिटोरियम 'दण्डकारण्य' का भी शुभारंभ किया।
- छत्तीसगढ़ में हाथियों की सुरक्षा को देखते हुए बादल खोल, तमोर पिंगला को एलीफेंट रिजर्व बनाया गया है।

Learn Today & Lead Tomorrow

Que. राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत छत्तीसगढ़ में कितने आयुष ग्राम विकसित किए जा रहे हैं?

A. 100 आयुष ग्राम

B. 126 आयुष ग्राम

C. 136 आयुष ग्राम

D. 146 आयुष ग्राम

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- राज्य शासन के आयुष संचालनालय द्वारा राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत प्रदेश में आयुष ग्राम विकसित करने राजधानी रायपुर में एक दिवसीय कार्यशाला-सह-प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

- आयुष जीवन शैली के सिद्धांतों और प्रथाओं को अपनाने तथा स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वास्थ्य देखभाल व उपचारों पर आधारित आयुष ग्राम की परिकल्पना को साकार करने छत्तीसगढ़ के 146 विकासखंडों में आयुष ग्राम का चिन्हांकन किया गया है।

- राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत छत्तीसगढ़ राज्य में 146 आयुष ग्राम विकसित किए जा रहे हैं।

- आयुष ग्राम के माध्यम से ग्रामीणों के स्वास्थ्य की रक्षा और आजीवन स्वस्थ रखने आयुर्वेद, योग तथा आयुष पद्धतियों के अनुसार उन्हें शिक्षित किया जाएगा।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ में "महतारी वंदन मोबाईल एप" का शुभारंभ कब किया गया है?

A. 31 जुलाई 2024

B. 01 अगस्त 2024

C. 02 अगस्त 2024

D. 03 अगस्त 2024

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जगदलपुर में 01 अगस्त 2024 आयोजित जिला स्तरीय महिला सम्मेलन में शामिल होंगे और प्रदेश की महिलाओं को महतारी वंदन योजना के तहत 1000-1000 रूपए की 6 वीं किश्त जारी किया है।

- इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 01 अगस्त 2024 को जगदलपुर में "महतारी वंदन मोबाईल एप" का भी शुभारंभ किया है।

- गौरतलब है कि महतारी वंदन योजना के तहत प्रदेश की लगभग 70 लाख विवाहित महिलाओं को उनके आर्थिक सशक्तिकरण के मद्देनजर राज्य सरकार द्वारा हर माह एक-एक हजार रूपए की राशि उनके बैंक खातों में अंतरित की जाती है।

- साथ ही इस मौके पर मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय "एक पेड़ माँ के नाम महावृक्षारोपण अभियान" का शुभारंभ भी किया है।

Learn Today & Lead Tomorrow

- उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर एक पेड़ मां के नाम का वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ किया गया है।
- इस अभियान के अंतर्गत देश में सितम्बर 2024 तक 80 करोड़ एवं मार्च 2025 तक 140 करोड़ वृक्षों के रोपण का लक्ष्य है।
- एक पेड़ मां के नाम महावृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में 2 करोड़ 75 लाख पौधों का रोपण एंव वन विभाग द्वारा वन एवं वनेत्तर क्षेत्रों में 03 करोड़ 95 लाख 85 हजार पौधों का रोपण किया जा रहा है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ में ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने निम्न में से किस पोर्टल का शुभारंभ किया है?

A. ई-ऑफिस प्रणाली

B. मुख्यमंत्री कार्यालय ऑनलाइन पोर्टल

C. स्वागतम पोर्टल

D. उपरोक्त सभी

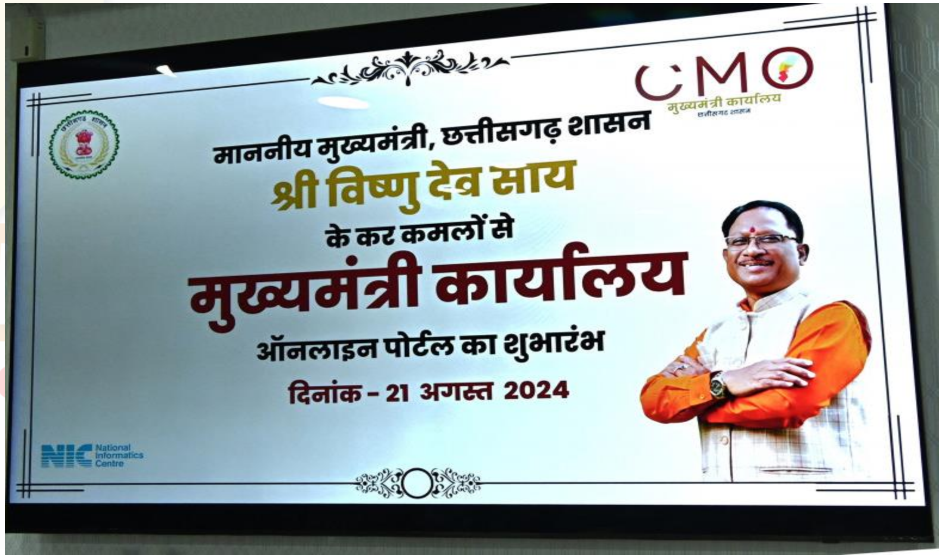

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ में ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने तीन पोर्टलों का शुभारंभ किया।
- इन तीन पोर्टलों में ई-ऑफिस प्रणाली, मुख्यमंत्री कार्यालय ऑनलाइन पोर्टल और स्वागतम पोर्टल शामिल है।
- मुख्यमंत्री श्री साय ने मुख्य सचिव को सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के निर्देश देने संबंधी फाइल का डिजिटल अनुमोदन कर ई-ऑफिस प्रणाली का शुभारंभ किया।
- इस पहल से सुशासन के साथ शासकीय कामकाज में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ेगी।
- ई-ऑफिस प्रणाली शुरुआती चरण में सामान्य प्रशासन विभाग में लागू किया गया है, जिसे क्रमशः सभी विभागों में लागू किया जाएगा।

सीएम ने सीएस को निर्देश संबंधी फाइल का अनुमोदन कर किया ई-ऑफिस प्रणाली का शुभारंभ

ई-ऑफिस, स्वागतम व सीएमओ ऑनलाइन पोर्टल हुआ शुरू

तीनों ऑनलाइन पोर्टल को मुख्यमंत्री ने मंत्रालय में किया लांच

भ्रष्टाचार की गुंजाइश खत्म करने आईटी का उपयोग बढ़ाया जा रहा

नवभारत ब्यूरो । रायपुर।

छत्तीसगढ़ में ई-गवर्नेंस को बढ़ावा देने और शासकीय कामकाज में पारदर्शिता लाने के लिए सभी क्षेत्रों में आईटी का व्यापक पैमाने पर इस्तेमाल शुरू हो गया है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को तीन पोर्टलों ई-ऑफिस प्रणाली, मुख्यमंत्री कार्यालय ऑनलाइन पोर्टल और स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ किया। इस पहल से सुशासन के साथ शासकीय कामकाज में दक्षता और पारदर्शिता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार सरकारी कामकाज में अधिक से अधिक पारदर्शिता लाने के लिए अधिकाधिक क्षेत्रों में आईटी का उपयोग किया जा रहा है, ताकि भ्रष्टाचार की गुंजाइश न रहे। इसी के लिए ये तीनों ऑनलाइन पोर्टल तैयार किए गए हैं, जिसका शुभारंभ मंत्रालय महानदी भवन में बटन दबाकर मुख्यमंत्री ने किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली लागू करने के निर्देश देने संबंधी फाइल का डिजिटल अनुमोदन कर ई-ऑफिस प्रणाली की शुरुआत की। **ई-ऑफिस प्रणाली की शुरुआत सामान्य प्रशासन से, ये होगा फायदा-** ई-ऑफिस प्रणाली शुरुआती चरण में सामान्य प्रशासन विभाग में लागू की गई है, जिसे क्रमशः सभी विभागों में लागू किया जाएगा। ई-ऑफिस में ऑफिस के दस्तावेज डिजिटल किए जाएंगे। दस्तावेज को एक ऑफिस से दूसरे ऑफिस भेजे जाने पर काफी समय लगता था, यह समय अब बच जाएगा। साथ ही दस्तावेज में हेरफेर किए जाने की गुंजाइश समाप्त हो जाएगी। दस्तावेजों के खोने या गायब होने की दिक्कत नहीं रहेगी। डिजिटल माध्यम में दस्तावेज अधिक सुरक्षित रहेंगे। अब तय समय-सीमा पर फाइलों का निराकरण हो सकेगा। इससे अधिकारियों के कामकाज की मॉनिटरिंग भी आसान हो सकेगी।

सुशासन का संकल्प पूरा करने अहम कदमः साय

इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुशासन के संकल्प को पूरा करने की दिशा में ई-ऑफिस प्रणाली और स्वागतम पोर्टल का शुभारंभ राज्य सरकार का एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस और सरकारी काम में पारदर्शिता के उद्देश्य से सभी विभागों में आईटी के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। डिजिटल गवर्नेंस को हर स्तर पर ले जाने के लिए हम काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये तीनों पोर्टल प्रदेश में सुशासन स्थापित करने में मील के पत्थर साबित होंगे। ई-ऑफिस प्रणाली से फाइलों के निराकरण में अनावश्यक देरी नहीं होगी। गलती की गुंजाइश कम होगी। फाइल किस स्तर पर है, इसकी ट्रेकिंग हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि सीएमओ पोर्टल के माध्यम से सरकार की योजनाओं, कार्यक्रमों, जनहितैषी फैसलों और काम-काज की जानकारी आम लोगों को मिलेगी।

मंत्रालय में प्रवेश के लिए स्वागतम पोर्टल

मंत्रालय में मुख्यमंत्री, मंत्रियों और अधिकारियों से मिलने जो आंगतुक आते हैं, उनकी सुविधा के लिए स्वागतम पोर्टल शुरू किया गया है। इसके माध्यम से आगंतुकों के प्रवेश की व्यवस्था आसान हो जाएगी। आगंतुकों से संबंधित विवरणों के संधारित हो जाने से मंत्रालय परिसर की सुरक्षा सुदृढ़ होगी। **सीएमओ पोर्टल से एक क्लिक पर जानकारी-** सीएमओ पोर्टल के माध्यम से शासकीय योजनाओं की जानकारी एक क्लिक पर लोगों को मिल सकेगी। इस पोर्टल के माध्यम से छत्तीसगढ़ के कला, संस्कृति, इतिहास और अन्य विशेषताओं के बारे में लोग जान पाएंगे। छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों और उससे संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां इस पोर्टल पर उपलब्ध होंगी।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- ई-आफिस प्रणाली में आफिस के दस्तावेज डिजिटल किये जाएंगे। दस्तावेज को एक आफिस से दूसरे आफिस भेजे जाने पर काफी समय लगता था, यह समय अब बच जाएगा।

- ई-आफिस सिस्टम आने से आम जनता के लिए भी अपने आवेदनों के निराकरण की स्थिति जानने में आसानी होगी।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

https://t.me/kharun_academy

Kharun Academy

Kharun Academy

Kharun Academy

Que. छत्तीसगढ़ के किस जिले के शिल्पियों द्वारा अयोध्या में रामलला के लिए पीले खादी सिल्क से निर्मित परिधान भेजा गया है?

A. बस्तर

B. रायपुर

C. सरगुजा

D. रायगढ़

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के शिल्पियों द्वारा अयोध्या में रामलला के लिए पीले खादी सिल्क से निर्मित परिधान भेजा गया है?

- जन्माष्टमी के अवसर पर ननिहाल से भेजे गए विशेष परिधान से अयोध्या में श्री रामलला सुशोभित हुए।

- रामलला के लिए बस्तर के शिल्पियों द्वारा बुने गए पीले खादी सिल्क से निर्मित यह परिधान छत्तीसगढ़वासियों के प्रेम, आस्था और समर्पण का प्रतीक है।

अयोध्या में रामलला ने जन्माष्टमी पर पहना बस्तरिया सिल्क

असली स्वर्ण-चूर्ण से हस्तछपाई की गई प्रभु राम को भेजी गई खादी सिल्क पर

बस्तर के शिल्पियों ने घंटों मेहनत कर बनाए पीले खादी सिल्क से विशेष वस्त्र

राम मंदिर ट्रस्ट के सोशल मीडिया अकाउंट से ट्वीट में दी गई जानकारी

छत्तीसगढ़वासियों के प्रेम, आस्था व समर्पण का प्रतीक है यह परिधान : साय

अत्यंत भव्य तरीके से मनाया गया श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का पर्व

- बस्तर के श्रमसाधकों द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए पीले खादी सिल्क से निर्मित शुभवस्त्र से सुशोभित प्रभु श्री रामलला की अलौकिक छटा दर्शनीय है।

- यह वस्त्र बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और छत्तीसगढ़ की अनुपम कला को दर्शाते हैं।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. एग्रीस्टेक परियोजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के कितने जिलों में खरीफ-2024 में लगाए जाने वाले फसलों का डिजिटल फसल सर्वेक्षण होगा?

A. 10 जिलों में

B. 18 जिलों में

C. 28 जिलों में

D. सभी जिलों में

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- एग्रीस्टेक परियोजना के अंतर्गत राज्य के सभी जिलों में खरीफ-2024 में लगाए जाने वाले फसलों का डिजिटल फसल सर्वेक्षण होगा।

- पायलट प्रोजेक्ट के रूप में चयनित धमतरी, महासमुंद और कबीरधाम जिले के सभी गांवों तथा अन्य जिलों के चयनित गांवों में डिजिटल फसल सर्वेक्षण होगा।

- डिजिटल फसल सर्वेक्षण 9 सितम्बर से प्रारंभ होकर 30 सितम्बर तक चलेगा।

- डिजिटल फसल सर्वेक्षण के लिए प्रत्येक ग्राम में अधिकतम 20 सर्वेक्षणकर्ताओं का चयन किया जायेगा। सर्वेक्षण कर्ताओं का चयन पटवारी के माध्यम से तहसीलदार द्वारा किया जाएगा।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ में हाल ही में जीएसटी काउंसिल के लिए "ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स" का पुनर्गठन किया गया है, इसमें छत्तीसगढ़ से किसे नामित किया गया है?

A. विष्णुदेव साय

B. अरुण साव

C. ओ पी चौधरी

D. रामविचार नेताम

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- हाल ही में छत्तीसगढ़ राज्य में जीएसटी में सुधार के लिए जीएसटी काउंसिल के लिए ग्रुप ऑफ मिनिस्टर्स (GOM) का पुनर्गठन किया गया है।
- इस नए गठन में छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी को सदस्य के रूप में नामित किया गया है।
- इस ग्रुप में दो राज्यों के उप मुख्यमंत्री समेत कुल आठ सदस्य शामिल हैं।
- ग्रुप का संयोजक महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री श्री अजित पवार को बनाया गया है।
- उड़ीसा के उपमुख्यमंत्री श्री कनक वर्धन सिंह देव और छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी के साथ पांच अन्य राज्यों के वित्त मंत्रियों को सदस्य के रूप में नामित किया गया है।
- इस समिति का मुख्य उद्देश्य जीएसटी कानून, प्रक्रियाओं और नीतियों को प्रभावी बनाने के लिए सिफारिशें प्रदान करना है

Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ सरकार 'पैक्स' के विस्तार के लिए कितने नये जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की स्थापना करेगी?

A. एक

B. दो

C. तीन

D. चार

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में राज्य में सहकारिता के विस्तार से संबंधित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।
- श्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के सभी 33 ज़िलों में पानी समिति के रूप में प्राथमिक कृषि साख समिति (Primary Agriculture Credit Society) का शुभारंभ भी किया।
- गृह एवं सहकारिता मंत्री ने 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत 'पीपल फॉर पीपुल' कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण और छत्तीसगढ़ सरकार के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया।
- अमित शाह ने कहा कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ के 33 ज़िलों में कुल 6 ज़िला सहकारी केन्द्रीय बैंक(DCCB) हैं और निकट भविष्य में राज्य में 'पैक्स' के विस्तार को ध्यान में रखते हुए कम से कम 4 और जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक की स्थापना होनी चाहिए।

पैक्स के विस्तार के लिए 4 नए जिलों में खुलेंगे सहकारी बैंक

राज्य में सहकारिता के विस्तार से संबंधित समीक्षा बैठक ली, हर पंचायत में एक सहकारी समिति का गठन किया जाए

नवभारत ब्यूरो। रायपुर।

केन्द्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में पानी समिति के रूप में प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) का शुभारंभ भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, केन्द्रीय सहकारिता राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल, उप मुख्यमंत्री अरूण साव, सहकारिता मंत्री केदार कश्यप और केन्द्रीय सहकारिता सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि श्री शाह ने अपने छत्तीसगढ़ दौरे के अंतिम दिन राज्य में सहकारिता के विस्तार से संबंधित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश की हर पंचायत में एक सहकारी समिति का गठन किया जाएगा। छत्तीसगढ़ सरकार को नई पब्लिक डेयरी योजना बनानी चाहिए, जो पैक्स, डेयरी और मात्स्यिकी सहकारी संस्था का काम करें। छत्तीसगढ़ की सभी 2058 पैक्स ने मॉडल बाय-लॉज को अपना लिया है। राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस का उपयोग छत्तीसगढ़ में ड्राई एरिया ढूंढने के लिए करना चाहिए, जिससे सहकारिता के विस्तार में मदद मिलेगी। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि कम्प्यूटराइजेशन होने के साथ ही हर पैक्स को सीएससी बना देना चाहिए, जिससे पैक्स द्वारा अनेक गतिविधियों का लाभ ग्रामीण जनता तक पहुंच सके। कार्यक्रम के बाद केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने एक पेड़ मां के नाम अभियन के तहत पीपल फॉर पीपुल कार्यक्रम के अंतर्गत वृक्षारोपण और छत्तीसगढ़ सरकार के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया।

3 चीनी मिलों में लगाएं मल्टी-फीड इथेनॉल उत्पादन प्लांट

श्री शाह ने यह भी कहा कि हर मंडी के हर व्यापारी, पैक्स और सहकारी संस्था का खाता जिला सहकारी बैंक में खोलना अनिवार्य है। छत्तीसगढ़ में 4 सहकारी चीनी मिलें हैं, जिनमें से सिर्फ एक मिल में इथेनॉल उत्पादन प्लांट है। बाकी 3 सहकारी चीनी मिलों में 6 महीने के अंदर मल्टी-फीड इथेनॉल उत्पादन प्लांट लगाएं जाएं, जिससे मक्का, गन्ना आदि से इथेनॉल उत्पादन किया जा सके, इसमें केन्द्र सरकार मदद करेगी।

मक्के व दलहन की खेती को बढ़ावा देने पर जोर

श्री शाह ने यह भी कहा कि इथेनॉल उत्पादन के लिए एनसीसीएफ, नेफेड और राज्य के बीच अनुबंध होना चाहिए। जिससे किसानों को मक्के की खेती के प्रति प्रोत्साहित किया जा सके। उन्होंने कहा कि मक्के की खेती में लागत भी कम है और केन्द्र सरकार द्वारा किसानों का सारा मक्का अच्छे न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदा जा रहा है। श्री शाह ने कहा कि किसानों के कृषि उत्पाद की बिक्री के लिए पैक्स द्वारा नेफेड और एनसीसीएफ पोर्टल पर शत-प्रतिशत पंजीकरण होना चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में मक्के और दलहन की खेती को बढ़ावा देने की जरूरत है। इसके लिए राज्य के कृषि विभाग को पहल करनी चाहिए।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ में "पीपुल फॉर पीपल" अभियान का शुभारंभ निम्न में से किसने किया है?

A. श्री रामेन डेका

B. श्री विष्णुदेव साय

C. श्री अमित शाह

D. श्री नरेंद्र मोदी

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने नवा रायपुर में निर्माणाधीन नवीन विधानसभा परिसर में: पीपुल फॉर पीपल' अभियान का शुभारंभ किया।

- साथ ही स्मार्ट सिटी योजना के तहत रेलवे स्टेशन, स्मार्ट रोड, पार्किंग एवं स्मार्ट स्कूल सहित 204 करोड़ रूपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण किया ।

- 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान अंतर्गत 'पीपुल फॉर पीपल' कार्यक्रम में एक लाख से अधिक स्थानीय प्रजाति के बड़े पेड़ रोपे जाएंगे।

- वर्तमान में 21,000 से अधिक पीपल के वृक्ष लगाये जा चुके हैं।

204.8 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण

नवा रायपुर में 'पीपुल फॉर पीपल' अभियान

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने किया शुभारंभ, 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत पीपल के पौधे लगाए

नवभारत ब्यूरो। रायपुर।

विश्व स्तरीय स्मार्ट स्कूल

रेलवे स्टेशन, स्मार्ट रोड, पार्किंग

भू-संवर्धन व वृक्षारोपण

- देश की सभी पंचायतों में एक-एक सहकारी समिति का गठन होगा।
- छत्तीसगढ़ के सभी 33 जिलों में पानी समिति के रूप में प्राथमिक कृषि साख समिति (पैक्स) का शुभारंभ भी किया गया है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. नेशनल इंस्टीट्युशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (NIRF) द्वारा जारी टॉप 40 संस्थानों में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने कौन सा स्थान प्राप्त किया है?

A. 10 वां

B. 19 वां

C. 29 वां

D. 39 वां

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय ने कृषि शिक्षा के क्षेत्र में एक बार फिर कामयाबी का परचम फहराते हुए भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा उच्च शिक्षा संस्थानों की रैंकिंग हेतु नेशनल इंस्टीट्युशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एन.आई.आर.एफ.) द्वारा जारी टॉप 40 संस्थानों में जगह बनाई है।

- इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में संचालित उच्च शिक्षा संस्थानों के लिए जारी एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग में देश भर के 145 कृषि विश्वविद्यालयों एवं कृषि शिक्षा संस्थानों में 39वां स्थान प्राप्त हुआ है।

- इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ राज्य से एन.आई.आर.एफ. रैंकिंग में स्थान प्राप्त करने वाला एक मात्र विश्वविद्यालय है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- विश्वविद्यालय द्वारा विगत दो वर्षों में 11 फसलों की 16 नवीन उन्नत किस्में विकसित की गई हैं, 47 नवीन प्रौद्योगिकी अधिसुचित की गई है, 30 उत्पादन प्रौद्योगिकी विकसित की गई है, 45 नवीन कृषि यंत्र विकसित किये गये हैं।

- विश्वविद्यालय द्वारा नवीन कृषि अनुसंधान हेतु विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय संस्थानों के साथ 11 समझौते भी किये गये हैं।

- विश्वविद्यालय के प्रयासों से नगरी दुबराज एवं बांसाझाल जीरा फूल चावल को जी.आई. टैग प्राप्त हो चुका है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के नए अध्यक्ष के रूप में किसे नियुक्त किया गया है?

A. श्री आर. एस. विश्वकर्मा

B. श्री प्रदीप विश्वकर्मा

C. श्री ओमप्रकाश शर्मा

D. श्री अमर शर्मा

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से उनके निवास कार्यालय में छत्तीसगढ़ राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के नवनियुक्त अध्यक्ष श्री आर. एस. विश्वकर्मा एवं सदस्यों ने सौजन्य मुलाकात की।
- मुख्यमंत्री जी ने सदस्यों को उनकी नवीन नियुक्ति के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. निम्न में से किसे छत्तीसगढ़ का नया लोकायुक्त नियुक्त किया गया है?

A. राकेश शर्मा
B. इंदर सिंह उबोवेजा
C. किरण ठाकुर
D. इनमें से कोई नहीं

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ में पूर्व में बिलासपुर उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति रह चुके न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) इंदर सिंह उबोवेजा को प्रमुख लोकायुक्त नियुक्त किया गया है।

- राज्यपाल श्री रमेन डेका ने 27 अगस्त 2024 को न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) श्री इंदर सिंह उबोवेजा को छत्तीसगढ़ लोक आयोग के प्रमुख लोकायुक्त पद की शपथ दिलाई।

- इस पद पर पहले टीपी शर्मा कार्यरत थे, जिनका कार्यकाल सितंबर 2023 में समाप्त हो गया था। तब से यह पद रिक्त था।

- छ.ग. लोक आयोग अधिनियम, 2002 की धारा 3 की उपधारा (5) के तहत प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए यह नियुक्ति की गई है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. हाल ही में छत्तीसगढ़ राज्य के 12 जिला पंचायतों का पुनर्गठन कर कितने नए जिला पंचायत बनाए गए हैं?

A. तीन

B. पांच

C. छह

D. आठ

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ की 12 जिला पंचायतों का पुनर्गठन कर दिया गया है। इसके साथ ही 6 नई जिला पंचायतें बन गई हैं।

- राज्य शासन के पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग ने छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 के प्रावधानों के तहत इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है।

- अगले साल फरवरी-मार्च 2025 में होने वाले त्रि-स्तरीय पंचायत आम चुनाव के साथ इन नई जिला पंचायतों में भी चुनाव कराए जाएंगे।

गठन

राज्य शासन ने जारी की अधिसूचना, दस दिनों के भीतर आपत्ति व सुझाव

राज्य में 12 जिला पंचायतों का पुनर्गठन, नई 6 जिला पंचायतें बनीं

नवभारत ब्यूरो। रायपुर।

छत्तीसगढ़ की 12 जिला पंचायतों का पुनर्गठन कर दिया गया है। इसके साथ ही 6 नई जिला पंचायतें बन गई हैं। राज्य शासन के पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग ने छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 के प्रावधानों के तहत इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी है। अगले साल फरवरी-मार्च में होने वाले त्रि-स्तरीय पंचायत आम चुनाव के साथ इन नई जिला पंचायतों में भी चुनाव कराए जाएंगे।

अधिसूचना के मुताबिक जिला पंचायतों की स्थापना के लिए बिलासपुर, रायगढ़, बलौदाबाजार, राजनांदगांव, जांजगीर-चांपा व कोरिया जिले का पुनर्गठन कर 6 नवीन जिलों- गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, सारंगढ़-बिलाईगढ़, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, सक्ती व मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के सृजन के बाद इन जिलों में जिला पंचायत स्थापित करना प्रस्तावित है। इन नई जिला पंचायतों में राजस्व जिले या उसके भाग शामिल होंगे। इस संबंध में प्रभावित व्यक्ति से आपत्ति या सुझाव अधिसूचना प्रकाशन के दिनांक से दस दिनों के भीतर संयुक्त सचिव पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग(कक्ष क्रमांक एस 3-31) मंत्रालय (महानदी भवन) नवा रायपुर अटल नगर रायपुर के कार्यालय में आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित अवधि में आपत्ति या सुझाव प्राप्त होने पर राज्य शासन विचार करेगा। नियत तिथि के बाद प्राप्त किसी आपत्ति या सुझाव पर विचार नहीं किया जाएगा।

जिला पंचायत	सम्मिलित भाग
बिलासपुर	पेंड्रारोड, मरवाही, पेंड्रा तहसील को छोड़ जिले का शेष भाग
गौरेला-पेंड्रा-मरवाही	पेंड्रारोड, मरवाही, पेंड्रा तहसील
रायगढ़	सारंगढ़, बरमकेला, सरिया तहसील को छोड़कर शेष भाग
बलौदाबाजार	बिलाईगढ़, भटगांव तहसील को छोड़ जिले का शेष भाग
सारंगढ़-बिलाईगढ़	सारंगढ़, बरमकेला, सरिया, बिलाईगढ़ व भटगांव
राजनांदगांव	खैरागढ़, गंडई, छुईखदान, साल्हेवारा, मोहला, मानपुर, औंधी, खड़गांव, अम्बागढ़ चौकी तहसील को छोड़कर जिले का शेष भाग
खैरागढ़-छुईखदान-गंडई	खैरागढ़, गंडई, छुईखदान व साल्हेवारा तहसील
मोहला-मानपुर-अंबागढ़	मोहला,मानपुर,औंधी, खड़गांव, अंबागढ़ चौकी तहसील
जांजगीर-चांपा	सक्ती, मालखरौदा, जैजैपुर, बाराद्वार, डभरा, अड़भार तहसील को छोड़कर जिले का शेष भाग
सक्ती	सक्ती, मालखरौदा, जैजैपुर, बाराद्वार, डभरा, अड़भार तहसील
कोरिया	मनेंद्रगढ़, चिरमिरी, केल्हारी, भरतपुर, कोटाडोल, खड़गवां तहसील को छोड़कर जिले का शेष भाग
मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर	मनेंद्रगढ़, चिरमिरी, केल्हारी, भरतपुर, कोटाडोल, खड़गवां तहसील

Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ में निम्न में से कहाँ से कहाँ तक लाइट मेट्रो चलेंगी?

A. रायपुर-दुर्ग भिलाई

B. रायपुर-बिलासपुर

C. रायपुर-राजनांदगांव

D. रायपुर-गोंदिया

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ में लाइट मेट्रो चलाया जाएगा।
- इसके लिए रायपुर नगर निगम और रूस के बीच लाइट मेट्रो पर सहमति बनी है।
- यह मेट्रो रशियन टेक्नोलॉजी से रायपुर से दुर्ग-भिलाई के बीच चलेंगी।
- यह सुविधा केंद्र शासन की सहमति के बाद पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (PPP) तर्ज पर शुरू की जाएगी।
- लाइट मेट्रो में तीन से चार कोच होते हैं।

रायपुर-दुर्ग के बीच लाइट मेट्रो के लिए महापौर ने किया एमओयू

भाजपा ने पूछा, बिना केंद्र व राज्य के किसी प्रतिनिधि के कैसे कर लिया समझौता

मास्को के ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर और महापौर के बीच हुआ एमओयू साइन

केंद्र शासन की सहमति के बाद पीपीपी तर्ज पर शुरु की जाएगी

नवभारत रिपोर्टर। रायपुर।

रायपुर से दुर्ग के बीच लाइट मेट्रो की सुविधा नागरिकों को दिलाने के लिए तीन साल की मशक्कत के बाद अंततः 22 अगस्त को सहमति बन गई। इसके लिए महापौर एजाज ढेबर ने गुरुवार को रूस की राजधानी मास्को में वहां के परिवहन मंत्री के साथ एमओयू कर लिया। यह सुविधा केंद्र शासन की सहमति के बाद पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप या पीपीपी तर्ज पर शुरू की जाएगी।

विपक्ष ने आड़े हाथों लिया, करार पर उठाए गंभीर सवाल

महापौर के मास्को में जाकर लाइट मेट्रो के लिए एमओयू करने पर भाजपा पार्षद दल ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। यहां नेता प्रतिपक्ष श्रीमती मीनल चौबे व पूर्व नेता प्रतिपक्ष सूर्यकांत राठौड़ ने कहा कि एमओयू पर साइन हमेशा उच्च स्तरीय अधिकारी के माध्यम से होता है। मास्को में केंद्र व राज्य से कोई भी अधिकारी शामिल नहीं हुआ। इसलिए इसकी विश्वसनीयता पर अब संदेह हो रहा है। इन्होंने कहा कि चूंकि यह काम अंतरराष्ट्रीय सहयोग से होना है, इसलिए केंद्रीय मंत्रालय की क्या प्रतिक्रिया है, इस पर ध्यान देना होगा।

महापौर ने दूरभाष पर हुई चर्चा में बताया कि 15 देशों के साथ हुए लाइट मेट्रो ट्रेन जॉइंट वेंचर ओएमयू में हमारे देश से रायपुर शहर एक है। मास्को में 2022 से 2024 तक हुए इंटरनेशनल ट्रांसपोर्ट समिट में महापौर लगातार शामिल होते रहे हैं। इस एमओयू के बाद महापौर ने बताया कि जल्द ही मास्को से 15 सदस्यीय विशेषज्ञों का दल विदेश मंत्रालय की सहमति और रुस के दूतावास की अनुमति प्रक्रिया के बाद रायपुर दौरे पर आएगा। उन्होंने बताया कि रायपुर व दुर्ग के बीच ट्रांसपोर्ट मोबिलिटी को ध्यान में रखते हुए उन्होंने इस पर चर्चा चलाई थी। इसी के साथ रुस के सहयोग से पर्यावरण सुधार कार्यक्रम के तहत भी रायपुर निगम को सहयोग प्राप्त होगा।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

https://t.me/kharun_academy

YouTube Kharun Academy

Kharun Academy

Kharun Academy

योजना

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. "अमृत 2.0 योजना" के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की कितनी परियोजनाओं का अनुमोदन किया गया है?

A. 88 परियोजना

B. 101 परियोजना

C. 111 परियोजना

D. 121 परियोजना

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- “अमृत 2.0 योजना” के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की 111 परियोजनाओं का अनुमोदन किया गया है।

- छत्तीसगढ़ में 2541 करोड़ रुपए की 111 परियोजनाओं का अनुमोदन किया गया है। जिसमें से 18 परियोजनाओं के लिए 7725 करोड़ रुपए प्रदत किए गए हैं

- और 1769 करोड़ रुपए लागत की 93 परियोजना, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, निविदा चरण में हैं।

- छत्तीसगढ़ में जनजातीय परिपथ के तहत जशपुर-कुनकुरी, मैनपाट- कमलेशपुर, महेशपुर कुरदार- सरोधदादर-गंगरेल, कोंडागांव नथियानवगांव के विकास के लिए 94.23 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं।

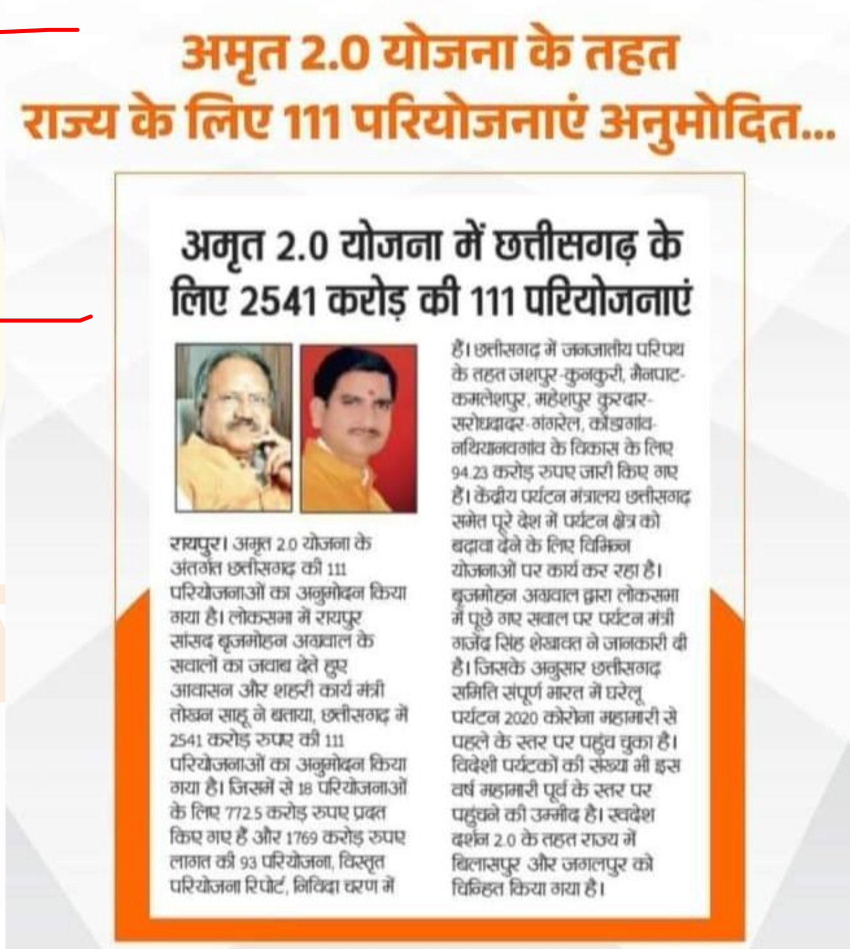

अमृत 2.0 योजना के तहत राज्य के लिए 111 परियोजनाएं अनुमोदित...

अमृत 2.0 योजना में छत्तीसगढ़ के लिए 2541 करोड़ की 111 परियोजनाएं

रायपुर। अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ की 111 परियोजनाओं का अनुमोदन किया गया है। लोकसभा में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के सवालों का जवाब देते हुए आवासन और शहरी कार्य मंत्री तोखन साहू ने बताया, छत्तीसगढ़ में 2541 करोड़ रुपए की 111 परियोजनाओं का अनुमोदन किया गया है। जिसमें से 18 परियोजनाओं के लिए 772.5 करोड़ रुपए प्रदत्त किए गए हैं और 1769 करोड़ रुपए लागत की 93 परियोजना, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट, निविदा चरण में हैं। छत्तीसगढ़ में जनजातीय परिपथ के तहत जशपुर-कुनकुरी, मैनपाट-कमलेशपुर, महेशपुर कुरदार-सरोधदादर-गंगरेल, कोंडागांव-नथियानवगांव के विकास के लिए 94.23 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय छत्तीसगढ़ समेत पूरे देश में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न योजनाओं पर कार्य कर रहा है। बृजमोहन अग्रवाल द्वारा लोकसभा में पूछे गए सवाल पर पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने जानकारी दी है। जिसके अनुसार छत्तीसगढ़ समिति संपूर्ण भारत में घरेलू पर्यटन 2020 कोरोना महामारी से पहले के स्तर पर पहुंच चुका है। विदेशी पर्यटकों की संख्या भी इस वर्ष महामारी पूर्व के स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत राज्य में बिलासपुर और जगदलपुर को चिन्हित किया गया है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत राज्य में बिलासपुर और जगलपुर को चिन्हित किया गया है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा "मुख्यमंत्री नोनी सशक्तीकरण सहायता योजना" के तहत कितने हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि दी जाती है?

A. 05 हजार रूपए

B. 10 हजार रूपए

C. 20 हजार रूपए

D. 25 हजार रूपए

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री नोनी सशक्तीकरण सहायता योजना के तहत पात्र श्रमिक परिवार की प्रथम दो बेटियों को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने के लिए 20-20 हजार रूपए की आर्थिक सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में डाली जाती है।

- उद्देश्य- श्रमिक परिवार की बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से तथा उन्हें शिक्षा और रोजगार के लिए आर्थिक सहायता प्रदाना

- इस योजना में श्रमिक/मजदूर परिवार बेटी जिसकी उम्र न्यूनतम 18 वर्ष और 21 वर्ष से अधिक न हो तथा वह अविवाहित हो उन्हें 20-20 हजार रूपए की आर्थिक सहायता दी जाती है।

- इस योजना में छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल में पंजीकृत श्रमिक ही पात्र है।

श्रमिकों एवं उनके परिवारों के
जीवन स्तर को सुधारने के लिए सरकार प्रतिबद्ध
- श्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री नोनी सशक्तीकरण सहायता योजना : श्रमिक परिवार की 5981 बेटियों के खाते में आये 11 करोड़ 96 लाख से ज्यादा राशि

सरकार श्रमिकों और उनके परिवारों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय की सरकार निम्न में से किस योजना को फिर से शुरू करेंगी?

A. चरण पादुका योजना

B. सरस्वती सायकल वितरण योजना

C. A और B दोनों

D. इनमें से कोई नहीं

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ सरकार जल्द ही चरण पादुका वितरण योजना और सरस्वती सायकल योजना फिर से शुरू करने वाली है।

- 1 अगस्त 2024 को जगदलपुर में कृषि महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इसकी घोषणा की।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. घर-घर पुस्तक हर घर लाइब्रेरी योजना छत्तीसगढ़ के किस जिले में संचालित की जा रही है?

A. कांकेर

B. बीजापुर

C. सूरजपुर

D. बस्तर

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- घर-घर पुस्तक हर घर लाइब्रेरी योजना बीजापुर जिले में लागू की जा रही है।
- इस योजना के तहत जिलेवासियों को उनकी मनपसंद 10 पुस्तकें दी जाएंगी।
- और इसके तहत 9वी एवं 11वीं के मेधावी विद्यार्थियों को सहायता दिया जाएगा।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Award’s

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ से निम्न में से किसे "राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार 2023" से सम्मानित किया गया है?

A. डॉ. हर्ष कुमार

B. डॉ. पवन कुमार

C. डॉ. प्रदीप शर्मा

D. डॉ. सुभाष वर्मा

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले के पलारी के ग्राम कोसमंदी निवासी डॉ. हर्ष कुमार वर्मा को "राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार 2023" से सम्मानित किया गया।
- उन्हें यह पुरस्कार "खनन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र" में उनके असाधारण योगदान के लिए मिला है।
- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने 20 अगस्त को आयोजित समारोह में उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया है।
- उनकी उपलब्धियों में भूमिगत गुफाओं के सुरक्षित निर्माण, जलविद्युत राजमार्गों और मेट्रो परियोजनाओं में उनका विशेष योगदान शामिल है।

बलौदाबाजार के डॉ. हर्ष वर्मा को मिला राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार: खनन प्रौद्योगिकी में असाधारण योगदान के लिए दिल्ली में राष्ट्रपति ने किया सम्मानित

बलौदाबाजार | 5 घंटे पहले

शेयर

बलौदाबाजार जिले के पलारी तहसील के ग्राम कोसमंदी के डॉ. हर्ष कुमार वर्मा को राष्ट्रपति ने 20 अगस्त को राष्ट्रीय भूविज्ञान पुरस्कार 2023 से सम्मानित किया है। उन्हें यह पुरस्कार खनन प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए मिला है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ में निम्न में से किसे 24वे वसुंधरा सम्मान से सम्मानित किया गया है?

A. डॉ. विश्वेश ठाकरे
B. करन चौरसिया
C. रमन सिंह
D. संकल्प ठाकरे

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के मुख्य आतिथ्य में लोक जागरण के लिए पत्रकारिता के क्षेत्र में दिया जाने वाला छत्तीसगढ़ का प्रतिष्ठित वसुंधरा सम्मान पत्रकार / लेखक "डॉ. विश्वेश ठाकरे" को प्रदान किया गया है।

- यह 24वां वसुंधरा सम्मान है।

- वसुंधरा सम्मान समारोह महात्मा गांधी कला मंदिर भिलाई में आयोजित किया गया।

- इसका आयोजन स्व. देवीप्रसाद चौबे की पुण्य स्मृति में साहित्यिक पत्रिका बहुमत द्वारा संस्कृति विभाग के सहयोग से किया गया।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. हाल ही में छत्तीसगढ़ में खान एवं खनिजों के समग्र प्रबंधन के लिए "खनिज ऑनलाइन पोर्टल" को कौन-सा अवार्ड मिला है?

A. बेस्ट पोर्टल अवार्ड

B. एक्सीलेंस अवार्ड

C. नेशनल अवार्ड

D. मिनरल्स अवार्ड

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ राज्य में खान एवं खनिजों के समग्र प्रबंधन के लिए खनिज साधन विभाग की ओर से तैयार खनिज ऑनलाइन पोर्टल को एक्सीलेंस अवार्ड मिला है।

- इण्डियन एक्सप्रेस ग्रुप ने इंटरप्राइज एप्लीकेशन कैटेगरी अंतर्गत टेक्नोलॉजी सभा एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा है।

- गौरतलब है खनिज ऑनलाईन पोर्टल 21 जून, 2017 से संचालित किया जा रहा है।

Que. साहित्य अकादमी ने छत्तीसगढ़ के किस प्रख्यात कवि एवं कथाकार को 'महत्तर सदस्यता' से अलंकृत किया है?

A. श्री अमर शुक्ल
B. श्री विनोद कुमार शुक्ल
C. श्री कमल अग्रवाल
D. श्री किशोर शुक्ल

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- साहित्य अकादमी ने हिंदी के प्रख्यात कवि एवं कथाकार "श्री विनोद कुमार शुक्ल" को अपनी 'महत्तर सदस्यता' से अलंकृत किया है।
- "श्री विनोद कुमार शुक्ल" एशिया में इस सम्मान को पाने वाले पहले साहित्यकार है।
- "श्री विनोद कुमार शुक्ल" छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर क निवासी है।
- अकादमी के सर्वोच्च समान की घोषणा सितम्बर 2021 में की गयी थी, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से "श्री विनोद कुमार शुक्ल" को यह सम्मान नहीं दिया जा सका।

विनोद कुमार शुक्ल को साहित्य अकादमी का सर्वोच्च सम्मान

दिल्ली नहीं जा पाए थे, इसलिए अकादमी के अध्यक्ष-सचिव खुद आए सम्मानित करने

नवभारत ब्यूरो। रायपुर।

राजधानी में रहने वाले देश के शीर्ष साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को साहित्य अकादमी ने शुक्रवार को अपने सर्वोच्च सम्मान 'महत्तर सदस्यता' से विभूषित किया। अकादमी के सर्वोच्च सम्मान की घोषणा सितंबर 2021 में की गई थी, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से शुक्ल को यह सम्मान नहीं दिया जा सका। आज शुक्रवार को शुक्ल के रायपुर स्थित आवास पर संक्षिप्त पुरस्कार अलंकरण समारोह हुआ, जिसमें साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक और सचिव के श्रीनिवासराव ने उन्हें अकादमी की महत्तर सदस्यता प्रदान की। भारत में साहित्य अकादमी का यह सबसे बड़ा सम्मान है। वहीं एशिया में इस सम्मान को पाने वाले वे पहले साहित्यकार हैं। इस मौके पर श्री शुक्ल ने कहा, इस सम्मान को मेरे घर आकर देने के लिए मैं साहित्य अकादमी का आभार प्रकट करते हैं। » शेष पेज 5 पर

'महत्तर सदस्यता' भारत में साहित्य अकादमी का यह सबसे बड़ा सम्मान, शुक्ल बोले, कभी उम्मीद नहीं की थी

सीएम साय ने भी दी बधाई

श्री शुक्ल को साहित्य अकादमी के सर्वोच्च सम्मान से विभूषित किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने ट्विटर हैंडल पर कहा है- देश के शीर्ष साहित्यकार विनोद कुमार शुक्लजी को साहित्य अकादमी का सर्वोच्च सम्मान, महत्तर सदस्यता से विभूषित किए जाने पर मेरी हार्दिक बधाई एवं अशेष शुभकामनाएं।

- भारत में साहित्य अकादमी का यह सर्वोच्च सम्मान है।

- छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में एक जनवरी 1937 को जन्मे विनोद कुमार शुक्ल ने अपनी रचनात्मक यात्रा की शुरुआत कविता-संग्रह 'लगभग जयहिंद' से की।

- इसके बाद 'वह आदमी चला गया नया गरम कोट पहिनकर विचार की तरह', 'सब कुछ होना बचा रहेगा', 'अतिरिक्त नहीं', 'कविता से लंबी कविता', 'आकाश धरती को खटखटाता है', 'कभी के बाद अभी' जैसे कविता संग्रह प्रमुख है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- उन्हें पेन अमेरिका ने व्लादिमीर नाबोकोव अवार्ड फॉर अचीवमेंट इन इंटरनेशनल लिटरेचर-2023 से सम्मानित किया गया था.

Que. छत्तीसगढ़ से निम्न में से किसे "राष्ट्रीय शिक्षक अवॉर्ड" के लिए चुना गया है?

A. के. शारदा

B. पी. संतोषी

C. के. कल्याणी

D. पी. गुंजन

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले की विकलांग शिक्षिका "के. शारदा" को राष्ट्रीय शिक्षक अवॉर्ड के लिए चुना गया है।

- केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से राष्ट्रीय शिक्षक अवॉर्ड के लिए 50 शिक्षकों के नाम घोषित किए गए।

- शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला खेदामारा दुर्ग जिले की 80 फीसदी से ज्यादा विकलांग शिक्षिका शारदा को डिजिटल माध्यम से नवाचार करने 2000 से अधिक ई कंटेंट और 20 से अधिक बुक निर्माण के लिए अवॉर्ड के लिए चुना गया है।

- शारदा को शिक्षक दिवस पर विज्ञान भवन नई दिल्ली में सम्मानित किया जाएगा।

दुर्ग की शिक्षिका को मिलेगा राष्ट्रीय पुरस्कार

महेंद्र कुमार साहू • नईदुनिया

दुर्ग : बुलंद हौसले और इच्छाशक्ति से हर चुनौती से पार पाना आसान हो जाता है। यह बात राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिए चयनित दुर्ग जिले की पूर्व माध्यमिक शाला खेदामारा की शिक्षिका के. शारदा पर फिट बैठती है। शारदा को शिक्षक दिवस पर विज्ञान भवन नई दिल्ली में सम्मानित किया जाएगा।

बैसाखी के सहारे चलने वाली दिव्यांग शारदा बचपन से ही शिक्षक बनना चाहती थीं। एमएससी और एमए करने वाली शारदा वर्ष 2009 से खेदामारा स्कूल में सेवाएं दे रही हैं। कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने आनलाइन और मोहल्ला कक्षाओं की शुरुआत की। सीजी स्कूल डाट इन पर 270 से अधिक वीडियो अपलोड किए। इसमें शिक्षा विभाग द्वारा 200 वीडियो को अप्रूवल प्राप्त हुआ। आनलाइन पढ़ाई के लिए नवाचार करते हुए डिजिटल सामग्री का निर्माण किया और खुद की वेबसाइट बनाई। इसमें ब्लागिंग के साथ-साथ बच्चे वीडियो देखकर पढ़ भी सकते हैं। उन्होंने 20 पुस्तकें लिखी हैं। पिछले वर्ष राज्यपाल उन्हें सम्मानित कर चुके हैं।

शिक्षिका के. शारदा। • नईदुनिया

- स्वयं की वेबसाइट बनाई और लिख चुकी हैं 20 किताबें
- शिक्षक दिवस पर विज्ञान भवन नई दिल्ली में होगा सम्मान

दिव्यांगों पर लिख रहीं पुस्तक

शारदा ने बताया कि वह दिव्यांगों पर पुस्तक लिख रही हैं। इसमें दिव्यांगजनों को किस-किस तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है, इस पर फोकस है। इसमें 15 दिव्यांगों की कहानी भी रहेगी।

जब एक हाथ ने काम करना बंद कर दिया

शारदा ने बताया कि वर्ष 2012 में उनके दाएं हाथ ने काम करना बंद कर दिया। वेल्लूर मेडिकल कालेज में उपचार के बाद हाथ ने काम करना शुरू कर दिया।

YouTube Kharun Academy

- **कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने आनलाइन और मोहल्ला कक्षाओं की शुरुआत की।**
- **उन्होंने 20 पुस्तकें लिखी हैं। और पिछले वर्ष राज्यपाल उन्हें सम्मानित कर चुके हैं।**

Que. मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कितने पुलिस अधिकारियों और जवानों को उत्कृष्ट सेवा के लिए पुलिस पदकों से सम्मानित किया?

A. 20

B. 26

C. 36

D. 46

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 46 पुलिस अधिकारियों और जवानों का उत्कृष्ट सेवा के लिए पुलिस पदकों से सम्मानित किया।

- पुलिस वीरता पदक से 26, राष्ट्रपति पुलिस पदक से 02, सराहनीय सेवा सुधार पदक से 2 और राज्य स्तरीय एवं पुलिस महानिदेशक पदकों से 5 अधिकारी- कर्मचारियों को अलंकृत किया।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

विमोचन

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ में निम्न में से किसने महतारी वंदन योजना 'खुशियों का नोटिफिकेशन' कहानी संग्रह का विमोचन किया?

A. श्री रामेन डेका

B. श्री विष्णु देव साय

C. श्री अरुण साव

D. श्री विश्वभूषण हरिचंदन

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने स्वाधीनता दिवस (15 अगस्त) के मौके पर 'खुशियों का नोटिफिकेशन' पुस्तिका का विमोचन किया है।
- इस पुस्तिका की खासियत यह है कि पुस्तिका में सच्ची कहानियों का प्रस्तुतीकरण रचनात्मकता के साथ रोचक अंदाज में किया गया है।
- इसे जनसंपर्क विभाग ने तैयार किया है।
- खुशियों का नोटिफिकेशन' में संगृहीत कहानियां महिलाओं को मिले आर्थिक लाभ के साथ साथ यह सशक्तीकरण के प्रभाव को भी उजागर करती है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. निम्न में से किसने बस्तर में पर्यटन क्षेत्र बढ़ावा देने "द बस्तर मड़ई" का लोगो, और थीम म्यूजिक का विमोचन किया है?

A. श्री रामेन डेका

B. श्री विष्णुदेव साय

C. श्री अरुण साव

D. श्री विजय शर्मा

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बस्तर में पर्यटन क्षेत्र बढ़ावा देने "द बस्तर मड़ई" का लोगो, बस्तर टूरिस्ट सर्किट मैप और थीम म्यूजिक का विमोचन किया है।
- द बस्तर मड़ई में नीला रंग में बस्तर की जल से संबंधित पर्यटन स्थल, हरा रंग जंगल से संबंधित स्थल, भूरा रंग गुफा और पुरातव स्थल, पीला रंग आदिवासी संस्कृति, बस्तर की हाट-बाजार और लाल रंग बस्तर दशहरा को प्रदर्शित किया गया है।

Que. छत्तीसगढ़ में निम्न में से किसने मोबाईल बेस्ड एप्लीकेशन "सुगम" का लोकार्पण किया है?

A. श्री रामेन डेका

B. श्री विष्णुदेव साय

C. श्री ओपी चौधरी

D. श्री अरुण साव

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- वाणिज्यिक कर एवं वित्त मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने मोबाईल बेस्ड एप्लीकेशन "सुगम" का लोकार्पण किया।

- इस एप्लीकेशन में कोई भी व्यक्ति अपनी रजिस्ट्रीकृत दस्तावेज के संपत्ति स्थल पर जाकर स्थल का 03 साईड से फोटो तथा अक्षांश एवं देशांतर भौगोलिक स्थिति को रजिस्ट्री सॉफ्टवेयर में प्रविष्ट कर सकेगा।

- इससे संपत्ति संबंधी धोखाधड़ी एवं कर चोरी को रोकने में मदद मिलेगी।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. हाल ही में CG साथी पुस्तक का विमोचन किसने किया है?

A. श्री रामेन डेका

B. श्री विष्णु देव साय

C. श्याम बिहारी जायसवाल

D. रामविचार नेताम

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सीजी साथी (Chhattisgarh Strategic Alliance for Transforming Healthcare Initiatives) नामक पुस्तिका का विमोचन किया।

- यह पुस्तिका छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं एवं संकेतकों को बेहतर करने के साथ योजनाओ और परियोजनाओं के बेहतर संचालन हेतु सहयोगी संगठनों के तकनीकी सहयोग को दिशा देने में मदद करेगी।

- यह राज्य मे अपनी तरह का पहला अभिनव पहल है

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

KHARUN ACADEMY

LEARN TODAY & LEAD TOMORROW

KHARUN ACADEMY

Learn today & Lead tomorrow

ONLINE CURRENT AFFAIRS

For All Chhattisgarh Compititive Exams

JOIN US

Kharun Academy

Kharun Academy

kharunacademy@gmail.com

https://t.me/kharun_academy

YouTube Kharun Academy

Kharun Academy

Kharun Academy

Que. IIFT कोलकाता के निर्यात सुविधा केन्द्र और EDII अहमदाबाद के प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना निम्न में से किस राज्य में की जाएगी?

A. छत्तीसगढ़

B. मध्यप्रदेश

C. झारखण्ड

D. कोलकाता

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- हाल ही में भारतीय विदेश व्यापार संस्थान कोलकाता (IIFT) के निर्यात सुविधा केंद्र और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (EDII) अहमदाबाद के प्रशिक्षण केंद्र की छत्तीसगढ़ में स्थापना के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया है।

- भारतीय विदेश व्यापार संस्थान के सुविधा केंद्र के छत्तीसगढ़ में स्थापित होने से छत्तीसगढ़ से निर्यात करने वाले व्यवसायियों को मार्गदर्शन मिल सकेगा। राज्य से निर्यात गतिविधियां बढ़ेंगी।

- प्रदेश में राष्ट्रीय स्तर के इन दो केंद्रों की स्थापना से प्रदेश व्यावसायिक और वाणिज्यिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ में कोयले का कितने मिलियन भंडार मौजूद है?

A. 50 हजार 573.87 मिलियन टन

B. 60 हजार 673.87 मिलियन टन

C. 70 हजार 873.87 मिलियन टन

D. 80 हजार 773.87 मिलियन टन

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- खनिज संसाधन के मामले में छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल है जहां लगभग हर प्रकार का खनिज पदार्थ मौजूद है।
- छत्तीसगढ़ में कोयले का भंडार 80 हजार 773.87 मिलियन टन है।
- छत्तीसगढ़ मे कोयला का भंडारण 19.93% एवं उत्पादन 19.76% हैं
- कोयले के भंडार के मामले में छत्तीसगढ़ देश का तीसरा राज्य है। देश में सबसे ज्यादा कोयला ओडिशा में मौजूद है।
- दूसरे स्थान पर झारखंड है।

कोयला मंत्रालय ने दी जानकारी : कोरबा जिले में लिथियम की मौजूदगी का पता चलने के बाद अब कोयले के भंडार को लेकर सामने आया नया

देशभर में कोयले का 3 लाख 78 हजार 207 मिलियन टन भंडार, इसमें छत्तीसगढ़ 80 हजार 777 एमटी कोयला

पत्रिका डेटा डीकोडेड

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोरबा. खनिज संसाधन के मामले में छत्तीसगढ़ देश के उन राज्यों में शामिल है जहां लगभग हर प्रकार का खनिज पदार्थ मौजूद है। हाल ही में छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में लिथियम की मौजूदगी का पता चलने के बाद अब कोयले का भंडार को लेकर नया आंकड़ा सामने आया है। इसमें बताया गया है कि छत्तीसगढ़ में कोयले का भंडार 80 हजार 773.87 मिलियन टन है।

कोयले के भंडार के मामले में छत्तीसगढ़ देश का तीसरा राज्य है। देश में सबसे ज्यादा कोयला ओडिशा में मौजूद है।

दूसरे स्थान पर झारखंड है। चौथे स्थान पर पश्चिम बंगाल है जिसके पास 33 हजार 933.28 मिलियन टन कोयले का भंडार मौजूद है। इसका खुलासा कोल मंत्रालय की एक रिपोर्ट में हुआ है। हाल ही में कोयला मंत्रालय ने राज्यसभा में सांसद मदन राठौड़ के सवाल के जवाब में सरकार ने देशभर में कोयले की उपलब्धता को लेकर जानकारी दी है। इसमें बताया गया है कि देश के 15 राज्यों में कोयले का भंडार है। सबसे कम भंडार अरुणांचल प्रदेश के पास 90.23 मिलियन टन है। छत्तीसगढ़ का पड़ोसी राज्य मध्यप्रदेश में कोयले 32 हजार 218 मिलियन टन का भंडार है। कोयले की उपलब्धता के मामले में मध्यप्रदेश देश में पांचवे स्थान पर हैं।

किस राज्य में कितना भंडार

राज्य	मौजूद भंडार (मिलि. टन में)	राज्य	मौजूद भंडार (मिलि. टन में)
ओडिशा	94518.59	आंध्रप्रदेश	4171.76
झारखंड	87838.10	उत्तरप्रदेश	1061.80
छत्तीसगढ़	**80773.87**	मेघालय	576.48
पश्चिम बंगाल	33933.28	असम	525.01
मध्यप्रदेश	32218.52	नगालैंड	478.31
तेलंगाना	23186.42	सिक्किम	101.23
महाराष्ट्र	1336.00	अरुणाचल प्रदेश	90.23
बिहार	5397.67	**कुल भंडार**	**378207.28**

छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक कोयला कोरबा, रायगढ़ और कोरिया जिले में मौजूद

छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक कोयला प्रदेश के तीन जिलों में मौजूद है। इसमें कोरबा, रायगढ़ और कोरिया शामिल हैं। अकेला गेवरा प्रोजेक्ट में ही इतना अधिक कोयले का भंडार है कि यह देश के सभी बिजली घरों की जरूरत को आने वाले 10 साल तक पूरा कर सकता है। इसी कोयले के खनन के बूते गेवरा प्रोजेक्ट ने उत्पादन के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है और उत्पादन की दृष्टि से गेवरा ने दुनिया का दूसरा बड़ा खदान होने का गौरव हासिल किया है।

- गौरतलब है की गेवरा प्रोजेक्ट ने उत्पादन के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है और उत्पादन की दृष्टि से गेवरा ने दुनिया का दूसरा बड़ा खदान होने का गौरव हासिल किया है।

Que. हाल ही में स्वच्छता दीदियों मानदेय के लिए कितने करोड़ रूपये जारी किए गए है?

A. 10 करोड़ 96 लाख रूपये

B. 15 करोड़ 68 लाख रूपये

C. 20 करोड़ 45 लाख रूपये

D. 25 करोड़ 86 लाख रूपये

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ राज्य शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय द्वारा नगरीय निकायों में कार्यरत स्वच्छता दीदियों और स्वच्छता कमांडोज के मानदेय के लिए 25 करोड़ 86 लाख रुपए जारी किए गए हैं।

- मिशन क्लीन सिटी के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों में 9232 स्वच्छता दीदियां और 1937 स्वच्छता कमाण्डोज काम कर रही हैं।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ राज्य के किस जिले में "दस्तक अभियान" शुरू किया गया है?

A. रायपुर

B. धमतरी

C. जशपुर

D. बलौदाबाजार

- छत्तीसगढ़ राज्य सरकार की जनकल्याणकारी और विकास योजनाओं का जमीनी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए बलौदाबाजार जिले में नवाचार के रूप में "दस्तक अभियान" शुरू किया गया है।.

- जिसके लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयार किए गए 'दस्तक अभियान' मोबाइल एप्लीकेशन का शुभारंभ राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने किया।

- इस अभियान के तहत प्रत्येक गांव के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो माह के प्रथम सप्ताह गांव का निरीक्षण एवं लोगों से चर्चा कर योजनाओं एवं समस्याओं की जानकारी लेंगे। निरीक्षण की जानकारी को दस्तक एप्प में अपलोड करना होगा।

- इस अभियान का उद्देश्य सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करना तथा गांव क़े विकास कार्य को गति देना है। जिले क़े करीब 520 गांव के लिए एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ के किस जिले की रहने वाली "नित्या पाण्डेय" अंटार्कटिका में रिसर्च के लिए 16 सदस्यीय टीम में शामिल है?

A. दुर्ग

B. रायपुर

C. राजनांदगाव

D. कोण्डागांव

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ की कोण्डागांव की रहने वाली नित्या पाण्डे अंटार्कटिका में रिसर्च कर रही है।

- नित्या पाण्डे 16 साइंटिस्ट की सदस्यीय टीम में शामिल है।

- इस टीम के द्वारा सोलर सिस्टम पर रिसर्च किया जा रहा है।

कोण्डागांव की नित्या अंटार्कटिका में कर रहीं सोलर सिस्टम पर रिसर्च

दुनिया की सबसे ठंडी जगह पर कर रहीं रिसर्च, 16 सदस्यीय टीम में शामिल

नवभारत रिपोर्टर। जगदलपुर।

अंटार्कटिका पृथ्वी की एक ऐसी धुरी है जहां सिर्फ और सिर्फ बर्फ होता है और यह दुनिया की सबसे ठंडी जगह होती है, यहां का न्यूनतम तापमान -95 डिग्री सिल्सियस तक चला जाता है, यहां बारिश नहीं होती, बल्कि केवल गर्मी और सर्दी दो मौसम ही होते हैं। यहां लगातार 6 महीने तक दिन और शेष 6 महीने तक रात होती है। ऐसी जगह पर बस्तर अंचल की कोण्डागांव की रहने वाली नित्या पाण्डे रिसर्च कर रही है।

ज्ञात हो कि कोण्डागांव के एक सरकारी स्कूल में पदस्थ शिक्षक भगवती पाण्डे की पुत्री नित्या पाण्डे ने पं रविशंकर शुक्ल विश्व विद्यालय से एस्ट्रोफिजिक्स में मास्टर्स किया। पढ़ाई के दौरान स्पेस स्टडी की स्कॉलरशिप के बारे में जानकारी मिली और स्कॉलरशिप में चयनित होकर फ्रांस गई। कई एस्ट्रोनॉट से मिलीं फ्रांस में पता चला कि चिली में दुनिया के बेस्ट टेलीस्कोप हैं, वहां का स्काय स्पेस ऑब्जरवेशन के लिए दुनिया में सबसे बेस्ट माना जाता है। इसके बाद यूनिवर्सिटी में पीएचडी के लिए चयनित हुईं। अब सेंटियागो में रहकर रिसर्च कर रहीं हैं। नित्या के मुताबिक अंटार्कटिका में सिर्फ दो मौसम होता है, एक समर और दूसरा ठंड समर सीजन के पूरे 6 महीने में अंटार्कटिका में रात नहीं होती। बस सूरज का एंगल बदल जाता है, हमेशा धूप खिली होती है। सन के एंगल से समझ आता है कि बाकी दुनिया में रात हो चुकी होगी। ऐसे धूप रहते ही थोड़े से नींद ले लेते हैं और फिर काम शुरु कर देते हैं।

बर्फ उबालकर खाने-पीने का इंतजाम

नित्या के मुताबिक दुनिया के सबसे ठंडे इलाके में खाने-पीने की चीजों के लिए वेजिटेरियन होने के कारण बहुत परेशानी हुई। यहां पैक्ड फ्रोजन फूड आया करता था। चाय कॉफी बनाने के लिए हमें फ्रेश आइस को उबालकर इस्तेमाल करना पड़ता था। काफी दिनों तक मैंने यहां ब्रेड और कुकीज खाकर काम चलाया। पीने के लिए पानी एयर फोर्स हमें उपलब्ध कराया करती थी।

इकलौती इंडियन व फीमेल साइंटिस्ट

नित्या के मुताबिक 16 साइंटिस्ट की टीम अंटार्कटिका में पहुंची थी। इन सभी में नित्या इकलौती फीमेल थीं। यहां उन्होंने सोलर सिस्टम से जुड़े पहलुओं को समझा। नित्या के अलावा सिर्फ एक और फीमेल थीं, जो चिली एयरफोर्स की पायलट थीं। आर्मी और एयरफोर्स के सपोर्ट से ही साइंटिस्ट इस जगह पर काम कर रहे थे। कोंडागांव की नित्या के मुताबिक उसने जिंदगी में पहली बार बर्फ देखी वो भी सीधे अंटार्कटिका में, खुशी भी हुई मगर वहां के खतरनाक मौसम में परेशानी भी।

KHARUN ACAD
Learn Today & Lead Tomo

Que. छत्तीसगढ़ के प्राइमरी स्कूलों में अब कितने स्थानीय बोली-भाषा में पढ़ाई होगी?

A. 05

B. 10

C. 18

D. 23

- छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू हो चुकी है।
- इस नीति के अनुसार विद्यार्थियों को स्थानीय-बोली भाषा में पढ़ाई करानी है।
- प्रदेश के प्राइमरी स्कूलों में अब 18 स्थानीय बोली-भाषा में पढ़ाई होगी।
- पहले चरण में छत्तीसगढ़ी, सरगुजिहा, हल्बी, सादड़ी, गोंडी और कुडुख में किताब लेखन किया जाएगा।
- इसके लिए पहले चरण में रायपुर, रायगढ़, बस्तर, कबीरधाम और जशपुर में इनकी स्थापना की जाएगी।

Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ के सभी स्कूलों में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का आयोजन कब किया जाएगा?

A. 23 अगस्त

B. 24 अगस्त

C. 25 अगस्त

D. 26 अगस्त

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ के सभी स्कूलों में विज्ञान और अंतरिक्ष में रूचि जागृत करने के लिए 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस का आयोजन किया जाएगा।

- राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर स्कूलों में होने वाले मुख्य गतिविधियों में एनसीईआरटी द्वारा विकसित विशेष 'चंद्रयान पर आधारित मॉड्यूल' प्रदर्शित करते हुए 23 अगस्त को 'चंद्रयान मॉड्यूल पर व्याख्यान' का आयोजन किया जाएगा।

- इस अवसर पर अंतरिक्ष से संबंधित विभिन्न विषयों पर पोस्टर और निबंध, मॉडल बिल्डिंग, क्विज एवं पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। साथ ही अंतरिक्ष विज्ञान संबंधित 30 मिनट का एक वीडियो स्कूलों में प्रदर्शित किया जाएगा।

- 23 अगस्त को पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया जाएगा।

- 23 अगस्त 2023 को भारत ने चांद के दक्षिणी हिस्से में चंद्रयान-3 उतारकर इतिहास रचा था।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. "कमरछठ" निम्न में से कब मनाया जाता है?

A. श्रावण मास

B. भादो मास

C. अगहन मास

D. कार्तिक मास

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- भाद्र कृष्ण पक्ष की षष्ठी में हलषष्ठी (कमरछठ) मनाया जाता है।
- छत्तीसगढ़ में यह त्यौहार कमरछठ के नाम से मनाया जाता है।
- इस दिन भगवान कृष्ण जी के बड़े भाई बलराम जी का जन्म हुआ था।
- इसे 'बलराम जयंती' के नाम से भी जाना जाता है।
- इस दिन महिलाएं व्रत रखकर अपने बच्चों के स्वास्थ्य, लंबी उम्र और समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हैं।
- इसमें पचहर चावल का उपयोग होता है

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. हाल ही में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में किन्हें न्यायाधीश नियुक्त किया गया है?

A. जस्टिस ए.के. प्रसाद

B. जस्टिस बी.डी. गुरू

C. जस्टिस कमलकांत मिश्रा

D. A और B दोनों

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ हाइकोर्ट में 2 न्यायाधीशों की नियुक्ति को गयी है।
- इन 2 नए न्यायाधीशों में "ए.के. प्रसाद" और "बी.डी. गुरु" शामिल है।
- इसके साथ ही छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 17 हो गई है।

हाई कोर्ट • एक दिन पहले जारी की गई थी नियुक्ति की अधिसूचना, सीजे रमेश सिन्हा ने दिलवाई शपथ

जस्टिस गुरु और जस्टिस प्रसाद ने ली शपथ, अब 17 जज

लीगलरिपोर्टर | बिलासपुर

एडवोकेट बीडी गुरु और एके प्रसाद ने मंगलवार को हाई कोर्ट में एडिशनल जज के तौर पर शपथ ली। सोमवार को केंद्र शासन ने नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी। दो नए जजों की नियुक्ति के साथ हाई कोर्ट में अब चीफ जस्टिस समेत 17 जज हो गए हैं। खास बात यह है कि दोनों नए जजों के पिता शिक्षक रह चुके हैं।

एडवोकेट बीडी गुरु और एके प्रसाद ने मंगलवार को एडिशनल जज के तौर पर शपथ ली। चीफ जस्टिस ने उन्हें शपथ दिलवाई। कार्यक्रम चीफ जस्टिस के कोर्ट रूम में सभी जजों की मौजूदगी में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत में रजिस्ट्रार जनरल ने राष्ट्रपति द्वारा जारी नियुक्ति आदेश का वाचन किया। इसके बाद महाधिवक्ता प्रफुल्ल भारत ने दोनों जजों के विषय में जानकारी देते हुए उनके साथ वकील के तौर पर अपना अनुभव साझा किया। हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष उमाकांत सिंह चंदेल और डिप्टी सॉलिसिटर जनरल रमाकांत मिश्रा ने भी अपने बात रखी।

सीजे रमेश सिन्हा ने जस्टिस बीडी गुरु और जस्टिस एके प्रसाद को नियुक्ति आदेश सौंपा।

नए जजों ने कहा- माता- पिता, परिजनों का आशीर्वाद

शपथ लेने के बाद जस्टिस बीडी गुरु ने अपनी बात रखते हुए इस मुकाम तक पहुंचने का श्रेय अपने माता- पिता, परिजनों के साथ वकील के तौर पर सीनियर रहे और वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस प्रशांत मिश्रा को दिया। जस्टिस एके प्रसाद ने भी माता- पिता, परिजनों के साथ मध्यप्रदेश हाई कोर्ट में प्रैक्टिस शुरू करने के दौरान मार्गदर्शन करने वालों को श्रेय दिया।

नया रोस्टर, सीजे के साथ बैठेंगे जस्टिस गुरु

हाई कोर्ट में आज से नए रोस्टर से सुनवाई होगी। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस बीडी गुरु की पहली डिवीजन बेंच होगी। यह बेंच अपील, जनहित याचिका, हैबियर्स कॉर्पस, रिट पिटीशन क्रिमिनल, वर्ष 2022 के बाद के क्रिमिनल अपील आदि पर सुनवाई करेगी।

वहीं, चौथी डिवीजन बेंच में जस्टिस रजनी दुबे और जस्टिस एके प्रसाद सुनवाई करेंगे। यह बेंच डिवीजन बेंच के सिविल मैटर्स, वर्ष 2020 के बाद के क्रिमिनल अपील(फाइनल हियरिंग मैटर्स) कंपनी अपील आदि मामलों की सुनवाई करेगी।

KHARUN ACA
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ से किसने ऑस्ट्रेलिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट "कोजिअस्को" में तिरंगा लहराया है?

A. राहुल शर्मा

B. रोहित गुप्ता

C. करन गुप्ता

D. राहुल गुप्ता

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- 15 अगस्त, स्वतंत्रता दिवस के दिन छत्तीसगढ़ राज्य के माउंटेन मैन राहुल गुप्ता ने ऑस्ट्रेलिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट कोजिअस्को में तिरंगा लहराया है।
- ऑस्ट्रेलिया की सबसे ऊँची चोटी माउंट कोजिअस्को की उँचाई 7310 फीट है।
- इस मिशन में देशभर से 11 पर्वतारोही शामिल थे, जिसमें छ.ग. से वे अकेले थे।
- राहुल गुप्ता राज्य के पहले पर्वतारोही हैं, जिसने अल्पाइन टेक्निक क्लाइंबिंग के साथ विंटर एक्सपिडिशन में एक्सपर्ट हैं।

राहुल ने 7310 फीट ऊंचे माउंट कोजिअस्को में लहराया तिरंगा

सिटी रिपोर्टर. रायपुर

चढ़ाई से पहले महीनेभर दो घंटे प्रैक्टिस की

राहुल ने बताया कि इस मिशन के लिए मुझे 8 अगस्त को रायपुर से निकलना था। ऐसे में मैंने महीनेभर पहले ही अपनी तैयारी शुरू कर दी। मैंने स्ट्रेंथ लेवल को स्ट्रांग करने के लिए रोजाना दो घंटे प्रैक्टिस की। इसमें रनिंग, साइकिलंग, स्वीमिंग शामिल था। इसी का फायदा मुझे चढ़ाई के दौरान मिला।

आस्ट्रेलिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी माउंट कोजिअस्को (7,310 फीट) में स्वतंत्रता दिवस के दिन माउंटेन मैन राहुल गुप्ता ने तिरंगा लहराया। दिल्ली के मिशन पॉसिबल द्वारा आयोजित इस अभियान का हिस्सा माउंटेनियर राहुल भी बनें। उन्होंने 14 अगस्त की रात 2 बजे लास्ट कैंप से माउंटेन क्लाइंबिंग शुरू की और 15 अगस्त सुबह 9:30 बजे चोटी के शिखर पर पहुंचकर तिरंगा लहराया। उस वक्त वहां का तापमान 4 से -5 डिग्री सेल्सियस के बीच था।

राहुल का कहना है कि इस मिशन में देशभर से 11 पर्वतारोही शामिल थे, जिसमें छत्तीसगढ़ से वे अकेले थे। जैसे-जैसे ऊंचाई पर सब आगे बढ़ रहे थे, लोगों को दिक्कत होने लगी थी। राहुल ने बताया कि आस्ट्रेलिया महाद्वीप की सबसे ऊंची चोटी माउंट कोजिअस्को है। ये दूसरे महाद्वीपों के पहाड़ों की ऊंचाई की रैंकिंग में सातवें नंबर की चोटी है। इस दौरान ट्रेकिंग करते हुए 23 किलोमीटर की दूरी तय करना था। चढ़ाई के दौरान पीठ पर अपने जरूरी सामान का 15 किलो वजन का बैग भी था

2015 से राहुल कर रहे माउंटेन क्लाइंबिंग

राहुल गुप्ता छत्तीसगढ़ के पहले पर्वतारोही हैं। वे अल्पाइन टेक्निक क्लाइंबिंग के साथ विंटर एक्सपिडिशन में एक्सपर्ट हैं। उन्होंने दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट (8848 मीटर) भी फतह किया है। साथ ही नेशनल और इंटरनेशनल लेवल पर 14 पहाड़ों पर पर्वतारोहण दल का नेतृत्व किया है। इन्होंने भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के पर्वतारोहण संस्थान जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग से ट्रेनिंग ली है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ से निम्न में से कौन 15 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया की सबसे ऊंची चोटी पर चढ़ाई करेंगे?

A. राहुल शर्मा

B. मेहुल गुप्ता

C. राहुल गुप्ता

D. कमल गुप्ता

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ के माउंटेनमैन राहुल गुप्ता जनदर्शन में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से मिले।
- राहुल गुप्ता ने मुख्यमंत्री को बताया कि वे 15 अगस्त को ऑस्ट्रेलिया की सबसे ऊंची चोटी कोजियासको में चढ़ाई करेंगे।
- यह चोटी 2228 मीटर ऊंची है और विश्व की सातवीं सबसे बड़ी चोटी है।
- उल्लेखनीय है कि राहुल गुप्ता छत्तीसगढ़ के पहले पर्वतारोही हैं जिन्होंने एवरेस्ट फ़तह किया है। राहुल ने 14 मई 2018 को विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट पर तिरंगा लहराकर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया था।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. कुमेली जलप्रपात छत्तीसगढ़ के किस जिले में स्थित है?

A. सूरजपुर

B. बलरामपुर

C. बस्तर

D. जगदलपुर

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- कुमेली जलप्रपात छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में स्थित है।
- मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मंशानुरूप पर्यटन क्षेत्र को विकसित करने का प्रयास किया जा रहा है।
- सूरजपुर जिले में पर्यटन विकास की दृष्टि से रामानुजनगर जनपद अंतर्गत कुमेली जलप्रपात और सूरजपुर जनपद अंतर्गत पहाड़गांव क्षेत्रों में हुए पूर्व के निर्माण कार्य प्रगति पर हैं।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. रायपुर की तर्ज पर छत्तीसगढ़ के कितने जिलों में नालंदा परिसर का निर्माण होगा?

A. 12 जिलों

B. 22 जिलों

C. 28 जिलों

D. 32 जिलों

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए विष्णुदेव सरकार की अभिनव पहल की गयी है।
- छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की तर्ज पर प्रदेश के 22 जिलों में नालंदा परिसर का निर्माण होगा।
- प्रदेश-भर के प्रतिभावान युवाओं को एक ही छत के नीचे विभिन्न विषयों से संबंधित किताबें मिलेंगी।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ में हरेली का त्यौहार कब मनाया जाता है ?

A. श्रावण कृष्ण पक्ष अमावस्या

B. श्रावण शुक्ल पक्ष अमावस्या

C. श्रावण कृष्ण पक्ष पूर्णिमा

D. श्रावण शुक्ल पक्ष पूर्णिमा

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार का विशेष महत्व है। हरेली छत्तीसगढ़ का पहला त्यौहार है।
- छत्तीसगढ़ में हरेली त्यौहार मुख्य रूप से किसानो द्वारा मनाया जाता है।
- इस त्यौहार से ही राज्य में खेती-किसानी की शुरूआत होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में यह त्यौहार परंपरागत् रूप से उत्साह के साथ मनाया जाता है।
- हरेली के दिन किसान नांगर (हल) एवं कृषि औजार की पूजा करते हैं, जो हमारे छत्तीसगढ की कृषि प्रधान संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। वहीं दूसरी ओर देखा जाए तो हरेली पर्व का महत्व धरती को हरा-भरा बनाये रखने के लिए पेड़-पौधे की महत्ता को भी प्रदर्शित करता है।
- इस दिन किसान खेती-किसानी में उपयोग आने वाले कृषि यंत्रों की पूजा करते हैं और घरों में माटी पूजन होता है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- गांव में बच्चे और युवा गेड़ी का आनंद लेते हैं। इस त्यौहार से छत्तीसगढ़ की संस्कृति और लोक पर्वों की महत्ता भी बढ़ गई है।

- ग्रामीण क्षेत्रों में गेड़ी के बिना हरेली तिहार अधूरा है। और गेड़ी बांस से बनाई जाती है।

- सावन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या को हरेली पर्व मनाया जाता है। हरेली का आशय हरियाली ही है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. छत्तीसगढ़ की कितने प्रतिशत आबादी का जीवन-यापन कृषि पर निर्भर है?

A. 60 प्रतिशत

B. 70 प्रतिशत

C. 80 प्रतिशत

D. 90 प्रतिशत

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ राज्य कृषि प्रधान राज्य है, यहां की 80 प्रतिशत आबादी का जीवन-यापन कृषि पर निर्भर है।

- छत्तीसगढ़ में किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। छत्तीसगढ़ के किसानों को प्रति क्विंटल 3100 रूपए का मूल्य मिल रहा है, जो देश में सर्वाधिक है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

Que. अंतर्राष्ट्रीय विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है?

A. 6 अगस्त

B. 7 अगस्त

C. 8 अगस्त

D. 9 अगस्त

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- जनजाति समुदायों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को अंतर्राष्ट्रीय विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है।

- यह पहली बार संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसंबर 1994 में घोषित किया गया था।

- यह दिन आदिवासियों को इनके अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने और उन्हें मुख्य धारा में लाकर उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए प्रयास के लिए प्रण लेने का दिन है।

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- जनजाति समुदायों सभी प्रकार की मूलभूत सुविधा और विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए केन्द्र सरकार के द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री जनमन योजना का आदिवासी वनांचलों में बेहतर क्रियान्वयन किया जा रहा है।

- प्रधानमंत्री जनमन योजना में 9 केन्द्रीय मंत्रालयों के माध्यम से 11 महत्वपूर्ण गतिविधियों का क्रियान्वयन किया जा रहा है।

- योजना में प्रदेश के विशेष पिछड़ी जनजाति समूहों (पीवीटीजी) बसाहट के आस-पास शिविर लगाकर हितग्राहियों का आधार कॉर्ड, राशन कॉर्ड, जनधन खाता, आयुष्मान कॉर्ड, जाति-प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र एवं अन्य आधारभूत सुविधाएं सुनिश्चित किए जा रहे हैं।

- सभी हितग्राहियों को वन अधिकार पत्र भी दिए जा रहे हैं।

Learn Today & Lead Tomorrow

Que. हाल ही में छत्तीसगढ़ी फिल्मों के सुप्रिसद्ध कलाकार शिवकुमार दीपक का निधन हो गया है, वह किस जिले से सम्बंधित थे?

A. दुर्ग

B. रायपुर

C. बस्तर

D. सरगुजा

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- छत्तीसगढ़ी फिल्मों के सुप्रिसद्ध कलाकार दाऊ मंदराजी राजकीय सम्मान से सम्मानित शिवकुमार दीपक का निधन हो गया है।
- वह दुर्ग जिले के निवासी थे।
- शिवकुमार दीपक ने 250 से अधिक छत्तीसगढ़ी, भोजपुरी, मालवी, हिन्दी, अफगानी फिल्मों में काम किया था।
- छत्तीसगढ़ी फिल्म मोर छइयां भुइंया, मया दे दे मया ले ले, परदेशी के मया, तोर मया के मारे आदि सफल फिल्मों में इनकी विशेष भूमिका रही है।

सुप्रिसद्ध छत्तीसगढ़ी कलाकार शिवकुमार दीपक नहीं रहे

दाऊ मंदराजी राजकीय सम्मान से सम्मानित थे

नवभारत रिपोर्टर ।दुर्ग। छत्तीसगढ़ी फिल्मों के सुप्रिसद्ध कलाकार दाऊ मंदराजी राजकीय सम्मान से सम्मानित शिवकुमार दीपक का 25 जुलाई को सेक्टर-9 हास्पिटल में (91 वर्ष) की उम्र में निधन हो गया। शिवकुमार दीपक ने 250 से अधिक छत्तीसगढ़ी, भोजपुरी, मालवी, हिन्दी, अफगानी फिल्मों में काम किया था। श्री दीपक पिछले एक माह से अस्वथ्य होने के कारण सेक्टर-9 हास्पिटल में भर्ती थे, जहां उन्होंने गुरुवार को आखिरी सांस ली। उनकी अंतिम यात्रा 26 जुलाई को दोपहर 12 बजे निवास से निकलेगी। अंतिम संस्कार पोटियाकला स्थित मुक्तिधाम में किया जाएगा। प्रारंभ से ही नाचा, नाटक आदि से प्रभावित होकर उन्होंने अभिनय प्रारंभ किया। खैरागढ़ निवासी रमाकांत बक्शी का एकल अभिनय देख इतना प्रभावित हुआ कि उसे अपना गुरु बनाकर आशीर्वाद लेकर एक पात्रीय अभिनय करने लगा। पहला एक पात्रीय अभिनय जीवन पुष्प बनाया, जो काफी सफल रहा। सन 1958 में अखिल भारतीय युवक महोत्सव नागपुर में प्रदर्शित हुआ, जिसके मुख्य अतिथि प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरु थे। उन्हें पंडित नेहरु ने सम्मानित किया और दीपक नाम से पद प्रदान किया। तब से उनके नाम के आगे दीपक शब्द का उपयोग होने लगा। 1965 में प्रथम छत्तीसगढ़ी फिल्म घर द्वार में उन्होंने चरित्र भूमिका निभाई। दाऊ रामचंद्र देशमुख द्वारा निर्मित चंदैनी गोंदा में हास्य भूमिका निभाकर काफी चर्चित हुए। वे दाऊ महासिंह चंद्राकर के सोनहाबिहान, लोक कला मंच से जुड़कर लोरिकचंदा जैसे नाटक में जीवंत भूमिका निभाई। बाद में लोरिकचंदा के प्रदर्शन इलाहाबाद,टाटा, मुंबई, जमशेदपुर, कलकत्ता, मद्रास,नागपुर, बनारस जैसे बड़े शहरों में हुआ। छत्तीसगढ़ी फिल्म मोर छइया भुइंया,मया दे दे मया ले ले, परदेशी के मया, तोर मया के मारे आदि सफल फिल्मों में इनकी विशेष भूमिका रही है।

Learn Today & Lead Tomorrow

Que. हाल ही में चर्चित हरिमरका जलप्रपात निम्न में से जिले में स्थित है?

A. सरगुजा

B. नारायणपुर

C. बस्तर

D. कोरबा

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

- **हरिमरका जलप्रपात छत्तीसगढ़ राज्य के नारायणपुर जिला में स्थित है।**

- **यह जलप्रपात पल्लाकशा मुरविसमाड़ चिकलाबंदी नामक स्थान से निकलता है तथा हरिमरका पारा भटबेड़ा होते हुए बासिंग नाला में समाहित होता है।**

KHARUN ACADEMY
Learn Today & Lead Tomorrow

अब हरिमरका जलप्रपात पहुंच सकेंगे सैलानी

अबूझमाड़ में छिपा है अद्भुत जलप्रपात

नवभारत रिपोर्टर। नारायणपुर ।

जिले की जनपद पंचायत ओरछा की पंचायत कुदंला के आश्रित ग्राम हरिमरका के नाम वाले जिला मुख्यालय से लगभग 26 किमी व जनपद मुख्यालय ओरछा से लगभग 90 किमी दूर इस जल प्रपात तक सैलानियों को पहुंचाने के लिए बारहमासी पक्का पहुंच मार्ग बनाने प्रशासन जुट गया है। अब लोगों के लिए हरीमरका जलप्रपात पहुंचना आसान हो जाएगा। मिली जानकारी के मुताबिक जिला मुख्यालय नारायणपुर से बासिंग तक 19 किमी तक पक्की सड़क थी अब प्रशासन इसके आगे भी 7.20 किमी बासिंग हरगुंडा से हरिमरका तक सड़क बनाने की तैयारी कर ली है।

रमणीय है हरिमरका

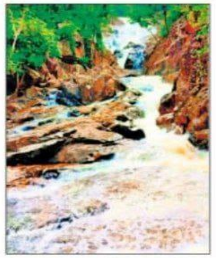

ग्रामीणों ने बताया इस जलप्रपात को मुरविसमाड़ जलप्रपात के नाम से पहचाना जाता है ग्रामीणों की माने तो जलप्रपात पल्लाकशा मुरविसमाड़ चिकलाबंदी नामक स्थान से निकलता है तथा हरिमरका पारा भटबेड़ा होते हुए बासिंग नाला में समाहित होता है। यह अतिसवेदनशील क्षेत्र में क्षेत्र में बांस, साल आदि के बड़े बडे वृक्ष हैं यह जो इसे ग्रीन बेल्ट बनाते हैं।

सरकार प्रतिबद्ध

जिले के पर्यटन क्षेत्रों को विकसित करने सरकार प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार अबूझमाड़ में छिपे पर्यटन क्षेत्र को भी विकसित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है, यही वजह है, कि जवानों के ऑपरेशन के बीच, पीएमजीएसवाई के साथ ही प्रधानमंत्री जनमन योजना के तहत सड़क बनाने का काम चल रहा है।

- केदार कश्यप, मंत्री प्रदेश शासन

सड़क बनाने की मिली स्वीकृति

राज्य सरकार ने नारायणपुर जिले के ओरछा और नारायणपुर ब्लॉक के 16 गांव में पक्की सड़क बनाने को मंजूरी दी है, इसमें अबूझमाड़ ओरछा ब्लॉक का 7.20 किमी बासिंग हरगुंडा से हरिमरका तक सड़क भी शामिल है।

- सतीश झा, एसडीओ, पीएमजीएसवाई